RNI No. DELMUL/2012/47011

18 अगस्त, 2026 मंगलवार

नई दिल्ली
मूल्य : 01 रुपए
पृष्ठ : 08
वर्ष : 14
अंक : 138

अनोखे अंदाज़ और निराले तेवर के साथ इन्साफ की डगर पर

टाइम्स ऑफ़ पीडिया

www.timesofpedia.com Email : timesofpedia@gmail.com

कुछ तो गड़बड़ है... सुनील गावस्कर का बयान हुआ वायरल 07

चिंगम और मलयालम नव वर्ष पर खुले शबरीमला मंदिर के कपाट

सोमवार सुबह पांच बजे खुले मंदिर के दरवाजे, श्रद्धालुगण 21 अगस्त तक कर सकेंगे दर्शन

चिंगम महीने और मलयालम नव वर्ष की शुरूआत के अवसर पर सोमवार तड़के प्रसिद्ध शबरिमला मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोल दिए गए। कपाट खुलते ही बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे और भगवान अयप्पा के दर्शन किए। मंदिर रविवार शाम से ही भक्तों की आवाजाही से गुलजार रहा।

वेब वार्ता, सबरीमला

मलयालम महीने कर्किडाकम के अंतिम दिन रविवार शाम मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना की गई। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार मुख्य पुजारी (मेलशांति) प्रसाद ई.डी. ने मुख्य तांत्रिक (प्रधान पुजारी) कंदारारु ब्रह्मदत्तन की मौजूदगी में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए। इसके बाद पथिनेट्टम पाडी यानी 18 पवित्र सीढ़ियों के नीचे स्थित आझी में पवित्र अग्नि प्रज्वलित की गई। मलयालम नव वर्ष की पूर्व संध्या पर रविवार शाम की पूजा संपन्न होने के बाद मंदिर के कपाट बंद कर दिए गए। सोमवार सुबह करीब पांच बजे इन्हें दोबारा श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए खोला गया।

21 अगस्त को रात 10 बजे बंद होंगे कपाट

वर्चुअल कतार में स्लॉट बुक कराने की अपील

चिंगम महीने के दौरान शबरिमला जाने वाले श्रद्धालुओं से वर्चुअल कतार के माध्यम से दर्शन के लिए संबंधित मंदिर वेबसाइट पर अपना स्लॉट पहले से बुक कराने का अनुरोध किया गया है। श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या को देखते हुए मंदिर प्रशासन की ओर से दर्शन व्यवस्था को सुचारू रखने पर जोर दिया जा रहा है।

चिंगम महीने की पूजा पूरी होने के बाद 21 अगस्त को रात 10 बजे मंदिर के कपाट बंद कर दिए जाएंगे। इसके बाद ओणम से जुड़ी विशेष पूजा और उत्सव के लिए 24 अगस्त को मंदिर फिर खोला जाएगा। इस वर्ष ओणम उत्सव का मुख्य दिन तिरुओणम 26 अगस्त को मनाया जाएगा।

सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किए भगवान अयप्पा के दर्शन

ओणम पूजा के लिए 24 अगस्त को फिर खुलेगा मंदिर

परिवहन निगम ने की विशेष व्यवस्था

केरल राज्य सड़क परिवहन निगम ने भी अयप्पा भक्तों की सुविधा के लिए 16 से 28 अगस्त तक विशेष यात्रा व्यवस्था की है। इससे चिंगम महीने और मलयालम नव वर्ष के दौरान शबरिमला पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद है।

मुंबई के आयकर भवन के बेसमेंट में लगी आग

मुंबई के चर्चगेट इलाके में स्थित आयकर भवन की सात मंजिला इमारत के बेसमेंट में सोमवार दोपहर आग लग गई। आग की सूचना करीब 2:01 बजे दमकल विभाग को मिली। घटना के बाद इमारत की ऊपरी मंजिलों पर मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने का अभियान शुरू किया गया।

वेब वार्ता, मुंबई

चर्चगेट की सात मंजिला इमारत, ऊपरी मंजिलों से लोगों को निकाला

मीडिया रिपोर्ट में दमकल टीम के सूत्रों से बताया जा रहा है, आग लगने की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की चार गाड़ियों समेत कई फायर टेंडर मौके पर भेजे गए। दमकल कर्मियों के साथ पुलिस, बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट), एंबुलेंस और नगर निगम की टीमें भी राहत एवं बचाव कार्य में जुट गईं। फिलहाल घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। दमकलकर्मी बेसमेंट में लगी आग पर काबू पाने के साथ इमारत में मौजूद लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने में जुटे रहे। आग लगने के कारणों का तत्काल पता नहीं चल सका है। अधिकारियों की ओर से स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

संक्षिप्त वार्ता

बुढ़ा अमरनाथ यात्रा 2026 का हुआ आगाज

जम्मू। श्री बूढ़ा अमरनाथ जी की वार्षिक पवित्र यात्रा-2026 का सोमवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने भगवती नगर यात्री निवास से श्रद्धालुओं के पहले जत्थे को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर उन्होंने श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुखद और आध्यात्मिक रूप से समृद्ध यात्रा के लिए शुभकामनाएं दीं।

उपराज्यपाल सिन्हा ने कहा कि बाबा बूढ़ा अमरनाथ की पवित्र यात्रा श्रद्धालुओं के लिए गहन आध्यात्मिक अनुभव है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह यात्रा श्रद्धालुओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के साथ उन्हें जीवन के गहरे सत्यों को समझने का अवसर भी प्रदान करेगी। एलजी सिन्हा ने यात्रा और बूढ़ा अमरनाथ जी मेले के सुचारु आयोजन के लिए बाबा अमरनाथ एवं बूढ़ा अमरनाथ यात्री न्यास, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल, स्थानीय प्रशासन, लंगर संगठनों और नागरिक समाज के सदस्यों के प्रयासों की सराहना की।

प्रशांत किशोर ने बिहार विधानसभा में ली शपथ

पटना। जन सुराज पार्टी (जेएसपी) के संस्थापक प्रशांत किशोर ने सोमवार को बिहार विधानसभा में बांकीपुर विधायक के रूप में शपथ ली। विधानसभा अध्यक्ष प्रेम कुमार की मौजूदगी में शपथ लेने के बाद किशोर ने इसे अपने लिए गर्व और जिम्मेदारी का पल बताया। शपथ लेने के बाद विधानसभा परिसर में पत्रकारों से बात करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि जिस सदन में श्रीकृष्ण सिंह, कपूर्री ठाकुर, अनुग्रह नारायण सिंह, नीतीश कुमार, लालू प्रसाद यादव, केदार पांडे, राम विलास पासवान और सुशील कुमार मोदी जैसे नेताओं ने सेवा की है, उसका सदस्य बनना उनके लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि समाज और बिहार की बेहतरी के लिए अपने जीवन के महत्वपूर्ण वर्ष समर्पित करने वाले सैकड़ों विधायकों की तरह काम करना उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी है।

आय से अधिक संपत्ति मामले में हाईकोर्ट की सुनवाई पर लगाई रोक

राहुल गांधी को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत

वेब वार्ता, नई दिल्ली

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को आय के ज्ञात स्रोतों से अधिक संपत्ति के आरोपों से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शीर्ष अदालत ने इलाहाबाद हाईकोर्ट को मामले में आगे की कार्यवाही बढ़ाने से रोक दिया है। साथ ही केंद्रीय जांच ब्यूरो और प्रवर्तन निदेशालय को निर्देश दिया गया है कि वे राहुल गांधी के खिलाफ इस मामले के संबंध में हाईकोर्ट के समक्ष कोई रिपोर्ट पेश न करें।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ में न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं। पीठ ने राहुल गांधी की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल की दलीलें सुनीं। इसके बाद कर्नाटक निवासी एस. विग्नेश शिशिर, सीबीआई और ईडी को नोटिस जारी किया गया। शीर्ष अदालत इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश को चुनौती देने वाली राहुल गांधी की याचिका पर सुनवाई कर रही है।

हाईकोर्ट के निदेशों पर सुप्रीम कोर्ट ने

भाजपा कार्यकर्ता की याचिका से जुड़ा है मामला

यह मामला कर्नाटक के भाजपा कार्यकर्ता एस. विग्नेश शिशिर की याचिका से जुड़ा है। उन्होंने इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच का रुख कर राहुल गांधी की कथित आय से अधिक संपत्ति की जांच की मांग की थी। याचिका में आरोप लगाया गया था कि राहुल गांधी के पास उनकी ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में काफी अधिक संपत्ति है। इसी मामले में हाईकोर्ट की कार्यवाही और जांच एजेंसियों को दिए गए निदेशों को राहुल गांधी ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट की कार्यवाही पर रोक लगाते हुए सीबीआई और ईडी को भी संबंधित रिपोर्ट पेश करने से रोक दिया है।

उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह इस मामले की जांच करना चाहता है, क्योंकि एक अदालत की ओर से ऐसे निर्देश जारी किए गए थे, जिनसे जांच एजेंसियों के काम करने के तरीके को लेकर सवाल उठते हैं। सुनवाई के दौरान पीठ ने प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के महत्व पर भी जोर दिया और कहा कि न्यायिक कार्यवाही में अदालतों से निष्पक्षता के सिद्धांतों का पालन करने की अपेक्षा की जाती है। जब सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा मामले की जांच किए जाने पर आपत्ति जताई तो पीठ ने एजेंसी के रुख पर सवाल उठाए। कोर्ट ने कहा कि यदि सीबीआई ने यह प्रक्रिया खुद शुरू नहीं की थी और हाईकोर्ट के निदेशों के कारण कार्रवाई करनी पड़ी, तो उन परिस्थितियों की जांच करने का अधिकार सुप्रीम कोर्ट के पास है। पीठ ने टिप्पणी की कि यदि जांच एजेंसी ने मामले को स्वतः शुरू नहीं किया है तो शीर्ष अदालत को यह जांच करने दिया जाना चाहिए कि कार्रवाई किन परिस्थितियों में शुरू हुई और हाई कोर्ट की ओर से संबंधित निर्देश किस आधार पर जारी किए गए।

यूजीसी-नेट प्रश्नपत्रों में गड़बड़ी पर कांग्रेस का केंद्र पर हमला

पूछा- छात्रों को गलती की सजा क्यों

यूजीसी-नेट 2026 के तीन विषयों के प्रश्नपत्रों में त्रुटियां मिलने और दोबारा परीक्षा कराने के फैसले को लेकर कांग्रेस ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने सवाल उठाया कि परीक्षा में हुई गलतियों की सजा छात्रों को क्यों भुगतनी पड़ रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भी इस मामले में जिम्मेदारी तय करने को लेकर जवाब मांगा।

वेब वार्ता, नई दिल्ली

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने जून में हुई यूजीसी-नेट परीक्षा के अंग्रेजी, वाणिज्य और समाजशास्त्र विषयों की परीक्षा दोबारा कराने की घोषणा की है। यह फैसला प्रश्नपत्रों में तथ्यात्मक, मुद्रण और अनुवाद संबंधी त्रुटियों की शिकायतों के बाद लिया गया है। इन तीनों विषयों की दोबारा परीक्षा 9 और 10 सितंबर को प्रस्तावित है।

जयराम रमेश ने आरोप लगाया कि प्रश्नपत्रों में प्रमुख विद्वानों के नाम और किताबों के शीर्षक गलत लिखे गए। इसके अलावा प्रश्नों, व्याकरण, लिंग-वचन सामंजस्य और विराम चिह्नों से जुड़ी कई गलतियां थीं। उन्होंने यह भी दावा किया कि जांच में बड़ी संख्या में ऐसे प्रश्न दोहराए जाने की बात सामने आई, जो पहले की परीक्षाओं में पूछे जा चुके थे।

कांग्रेस नेता ने सवाल किया कि इतनी गंभीर खामियों का पता चलने में करीब दो महीने क्यों लगे। उन्होंने कहा कि दोबारा परीक्षा के कारण कई छात्रों को इस साल विभिन्न विश्वविद्यालयों में प्रवेश के अवसर से वंचित होना पड़ सकता है। उन्होंने पूछा कि इससे होने वाले नुकसान की भरपाई कौन करेगा। रमेश ने कहा कि मामला सिर्फ तीन विषयों के अभ्यर्थियों तक सीमित नहीं है। उन्होंने 84 अन्य विषयों में परीक्षा दे चुके अभ्यर्थियों के परिणाम में देरी पर भी सवाल उठाया। उनके मुताबिक यूजीसी-नेट का परिणाम जेआरएफ, सहायक प्रोफेसर की पात्रता और पीएचडी में दाखिले जैसे महत्वपूर्ण अवसरों से जुड़ा है, इसलिए परिणाम में देरी छात्रों के भविष्य को प्रभावित कर सकती है।

हसीना के प्रत्यर्पण की मांग के बीच रहमान का भारत दौरा टला

ढाका। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान का प्रस्तावित भारत दौरा फिलहाल टल गया है। बांग्लादेश के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को भारत से वापस भेजे जाने के बाद ही यात्रा की तैयारियां आगे बढ़ाई जाएंगी। तारिक रहमान के 21 अगस्त को दिल्ली आने की संभावना थी और दोनों देशों के बीच इस दौरे को लेकर बातचीत चल रही थी। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ए.के. शाहिदुल करीम ने कहा कि मौजूदा परिस्थितियों में यात्रा के लिए अनुकूल माहौल नहीं है। उनके मुताबिक, 5 अगस्त को नई दिल्ली में शेख हसीना की प्रेस कॉन्फ्रेंस और वहां से दिए गए राजनीतिक बयानों के बाद दोनों देशों के बीच बने माहौल पर असर पड़ा है। करीम ने कहा कि बांग्लादेश पहले भी इस मुद्दे पर अपना रुख स्पष्ट कर चुका है।

इंडोनेशिया भूकंप: मृतकों की संख्या 53, राहत कार्य जारी

जकार्ता। पूर्वी इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता के भीषण भूकंप के बाद, रविवार को फ्लोरेस द्वीप पर छह और शव मिलने के साथ मृतकों की संख्या बढ़कर 53 हुई है। भूकंप के बाद के लगातार झटकों के डर से हजारों विस्थापित लोगों ने रात खुले आसमान के नीचे बिताई। बचाव दल फ्लोरेस द्वीप के छह प्रभावित जिलों में भूस्खलन के मलबे में दबे लोगों की तलाश में जुटे हैं, जिसमें मंगराई, ईस्ट मंगराई और नागेकेओ जैसे दूरस्थ और दुर्गम क्षेत्र शामिल हैं। संचार व्यवस्था बाधित होने और बिजली गुल रहने के कारण खोज और बचाव अभियान में बाधाएं आ रही हैं।

इस आपदा में 900 से अधिक मकान पूरी तरह नष्ट हुए हैं, जबकि 450 अन्य क्षतिग्रस्त हुए हैं, इसकारण लगभग 5,000 लोगों को अस्थायी शिविरों में शरण लेनी पड़ी है। अधिकारियों ने बताया कि अब तक 995 भूकंप के बाद के झटके दर्ज किए हैं, जिसमें से 46 महसूस किए गए। कम से कम 135 लोग घायल हुए हैं। भूस्खलन के कारण ट्रांस-फ्लोरेस राजमार्ग के कुछ हिस्से अवरुद्ध हुए हैं, जिससे राहत सामग्री पहुंचाने में मुश्किलें आ रही हैं।

छात्रों का दर्द : देशद्रोही और आतंकवादी कहा, 6 घंटे बंधक बनाया

वेब वार्ता, नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर देश के युवाओं और छात्र-छात्राओं के साहस की सराहना की है। उन्होंने कहा कि युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासन के खिलाफ मजबूती से खड़े होकर जवाबदेही की मांग की और यह संघर्ष शांति, संयम, प्रेम और हास्य के साथ लड़ा। राहुल गांधी ने करीब साढ़े दस मिनट का एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें वे नीट प्रदर्शन में शामिल रहे छात्रों से बातचीत करते नजर आ रहे हैं। छात्रों ने बातचीत के दौरान पुलिस कार्रवाई, कथित लाठीचार्ज और हिरासत से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उनका आरोप था कि प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने बर्बरता की और कई छात्रों के साथ दुर्व्यवहार किया। कुछ छात्रों ने पैलेट गन के इस्तेमाल का भी दावा किया और गंभीर रूप से घायल होने की घटनाएं बताईं। छात्रों ने यह भी आरोप लगाया कि प्रदर्शनकारियों को देशद्रोही और आतंकवादी कहा गया, कई लोगों को घंटों तक हिरासत में रखा गया और उनके मोबाइल फोन ले लिए गए।

ओडिशा में बाढ़ से स्कूल में फंसे 322 लोग, यूपी के 20 शहरों में जलभराव

ओडिशा में बाढ़ के हालात गंभीर बने हुए हैं। केंद्रपाड़ा जिले के कुलसाही गांव स्थित सरकारी एससी/एसटी आवासीय आश्रम स्कूल में 312 छात्र और 10 शिक्षक पिछले दो दिनों से फंसे हैं।

वेब वार्ता, नई दिल्ली

ब्राह्मणी नदी का पानी स्कूल के ग्राउंड फ्लोर में भर गया है, जबकि चारों तरफ करीब 10 फीट पानी है। सभी छात्रों और शिक्षकों को पहली मंजिल पर शिफ्ट किया गया है।

तेज बहाव के कारण अब तक कोई रेस्क्यू टीम स्कूल तक नहीं पहुंच सकी है। नावों के जरिए राहत पहुंचाने में भी मुश्किल आ रही है। अधिकारियों के मुताबिक सभी छात्र सुरक्षित हैं। स्कूल में करीब एक सप्ताह के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है। इस बीच केंद्रपाड़ा में एनएच-53 का करीब 100 मीटर हिस्सा धंस गया है। यह हाईवे पारादीप पोर्ट को जाजपुर से जोड़ता है।

बालासोर, भद्रक, जाजपुर, मयूरभंज और क्योंझर में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। बैतरणी, ब्राह्मणी, सालंदी, जलका और बुधबलंगा नदियों में बढ़े जलस्तर से इन इलाकों में हालात बिगड़े हैं।

500 से अधिक घरों में घुस गया पानी

उत्तर प्रदेश के 20 शहरों में भी तेज बारिश के कारण जलभराव की स्थिति है। लखनऊ, कानपुर, वाराणसी और प्रयागराज समेत कई शहर प्रभावित हैं। संभल में अस्पताल के बाहर पानी भर गया, जबकि कानपुर और उन्नाव में 500 से अधिक घरों में पानी घुस गया है। हिमाचल प्रदेश में भी मानसून से जुड़ी घटनाओं ने भारी तबाही मचाई है। 30 जून से 16 अगस्त के बीच 187 लोगों की मौत हुई है। इनमें 79 मौतें बाढ़, लैंडस्लाइड, डूबने, करंट लगने और अन्य प्राकृतिक आपदाओं में हुईं, जबकि 107 लोगों की जान सड़क हादसों में गई। इस दौरान 294 लोग घायल और 31 अब भी लापता हैं। राज्य में कुल नुकसान करीब 973 करोड़ रुपये आंका गया है।

संपादकीय

विकसित भारत का संबोधन

प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले की प्राचीर से लगातार 13वीं बार राष्ट्र को संबोधित किया, लेकिन कोई नई नीतिगत घोषणा नहीं कर पाए। कुछ आंकड़े गिना दिए गए। संबोधन का फोकस विकसित भारत और युवाओं पर रहा। विकसित भारत की बात प्रधानमंत्री कई बार दोहरा चुके हैं और युवाओं की बात करना राजनीतिक विवशता हो सकती है। प्रधानमंत्री के करीब 77 मिनट के संबोधन का निष्कर्ष दो शब्द-युग्म रहे-सप्तधारा और दिमागी नक्सल। इन दो शब्द-युग्मों से भारत कभी भी विकसित नहीं बन सकता। प्रधानमंत्री के संबोधन का विश्लेषण करने से पहले दो तथ्य प्रस्तुत करना चाहता हूं। जब अटल बिहारी वाजपेयी प्रधानमंत्री थे और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम देश के राष्ट्रपति थे, तब घोषित दावा किया गया था कि 2020 में भारत विकसित राष्ट्र होगा। क्या हुआ? क्या उसका कोई रिपोर्ट-कार्ड उपलब्ध है अथवा कोई प्रगति-कथा है? उसके बाद 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार को देश ने जनादेश दिया, तो बुनियादी नारा था-अच्छे दिन आएंगे। वह संभव नहीं लगा, तो प्रधानमंत्री मोदी ने अच्छे दिनों की समय-सीमा 2047 तय कर दी और विकसित भारत के उद्घोष शुरू कर दिए गए। अर्थात 2047 तक प्रधानमंत्री मोदी की जवाबदेही खत्म हो गई। तब वह प्रधानमंत्री नहीं रहेंगे, इतना निश्चित है। जो भी प्रधानमंत्री होगा, अब जवाबदेही उसकी होगी। बहरहाल प्रधानमंत्री ने शक्ति की सप्तधारा का आह्वान किया है। ये सप्तधाराएं हैं-विनिर्माण-उत्पादन, कृषि तथा खाद्य प्रसंस्करण, प्रौद्योगिकी-नवाचार, गतिशक्ति, रक्षा-साइबर सुरक्षा, ग्रीन एनर्जी-ब्लू इकोनॉमी, सॉफ्ट पॉवर।

देश इन सप्तधाराओं को पहले से ही जानता है, बेशक नामकरण बदल दिए गए हों। हालांकि प्रधानमंत्री ने इनमें देश के कोर सेक्टर के कुछ महत्वपूर्ण आधार छोड़ दिए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लालकिले से खुलासा और दावा किया है कि भारत में मोबाइल निर्माण-उत्पादन 33 गुना, खादी-ग्रामोद्योग 5 गुना, रेलवे कोच निर्माण 31 गुना, मैन्यूफैक्चरिंग 7 गुना, इंटरनेट 4 गुना, गैस कनेक्शन 6 गुना, नल से जल 15 गुना, शौचालय 4 गुना, गरीबों को पक्के घर देना 3 गुना और डिजिटल भुगतान, लेन-देन 100 गुना बढ़ा है। यकीनन भारत ने प्रगति की है, लेकिन अमरीका, चीन, जर्मनी, जापान आदि देशों की तुलना में हम आज भी बहुत पीछे हैं। भारत में सेमीकंडक्टर के तीन प्लांट अभी शुरू हुए हैं, लेकिन चीन और ताइवान दुनिया को सेमीकंडक्टर सप्लाई कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने आगामी 7-8 साल का लक्ष्य बताया है कि सेमीकंडक्टर के 5-7-8 प्लांट शुरू हो जाएंगे। निश्चित संख्या नहीं है। हम कृत्रिम बौद्धिकता (एआई) के क्षेत्र में भी शिशुवत हैं और प्रधानमंत्री ने आश्वस्त करने की कोशिश की है कि आगामी एक साल में 1 करोड़ युवाओं को एआई स्किल की ट्रेनिंग दी जाएगी। ऐसी ही आकर्षक घोषणा बजट में की गई थी कि देश की 500 बड़ी कंपनियों में 5 साल में 1 करोड़ युवा इंटर्नशिप करेंगे। उन्हें 5000 रुपए मानदेय भी दिया जाएगा। नतीजा क्या रहा, प्रधानमंत्री इसका भी खुलासा कर देते। यह इच्छा करना सुखद लगता है कि फॉर्च्यून की 500 शीर्ष कंपनियों में 50 भारतीय भी हों, फार्मा कंपनियां शीर्ष 5 कंपनियों में हों, शीर्ष 10 बैंकों में भारतीय भी हो और भारत की अपनी रेटिंग एजेंसी हो। आज 79 साल की आजादी के बाद भी भारत का एक विश्वविद्यालय भी शीर्ष 100 तो क्या, शीर्ष 200 में भी शामिल नहीं है। करीब 73 फीसदी बच्चे 12वीं तक भी पढ़ाई जारी नहीं रख पाते। प्रधानमंत्री नए विश्वविद्यालय और स्कूल खोलने की घोषणा करते रहते हैं। प्रधानमंत्री ने यह नहीं बताया कि एआई ट्रेनिंग के साथ रोजगार कितना बढ़ेगा? ऑनलाइन कोचिंग निशुल्क होगी, लेकिन परीक्षा-प्रणाली कितनी पारदर्शी, ईमानदार होगी? कोचिंग का कारोबार करीब 58,000 करोड़ रुपए का है और करीब 7.10 करोड़ छात्र कोचिंग ले रहे हैं। क्या इस समीकरण को तोड़ा जा सकता है? प्रधानमंत्री ने तेल की तलाश में समुद्र-मंथन शुरू कराया है। हाईड्रोजन ट्रेन एक सुखद शुरूआत है। सूर्यघर का प्रयोग भी सफल हो रहा है।

सुरक्षा और विकास की नई मजबूती जरूरी

हाल ही में 14 अगस्त को पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने सिंधु जल संधि पर भारत को ह्यरेड लाइनह्ल और जंग की धमकी दी है। ऐसी धमकियां देना पाकिस्तान के नेताओं के जीवन का अभिन्न भाग बन गई है। पाकिस्तान में यह भी माना जा रहा है कि गत 7 अगस्त को सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित मक्का संयुक्त रक्षा समझौता भारत पर रक्षा दबाव बढ़ाएगा। इस समझौते के तहत किसी एक देश पर हमला तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस गठजोड़ में सुरक्षा सहयोग के बढ़ते आयाम भारत के लिए एक नई भू-राजनीतिक चुनौती उत्पन्न करते हैं, जिससे भविष्य की सुरक्षा स्थितियों में कूटनीतिक जटिलताएं बढ़ सकती हैं। ऐसे में भारत के लिए आर्थिक और सैन्य-परमाणु शक्ति दोनों मोर्चों पर समान रूप से और मजबूत होना जरूरी है। आर्थिक मजबूती से ही मजबूत सैन्य-परमाणु शक्ति बनने की राह आगे बढ़ती है और ऐसी मजबूती युद्ध के खतरे भी कम करती है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत आर्थिक विकास के साथ सैन्य व परमाणु हथियार मोर्चे पर भी लगातार आगे बढ़ रहा है। यदि हम भारत के विकास परिदृश्य को देखें तो पाते हैं कि वैश्विक भू-राजनीतिक चुनौतियों और पश्चिम एशिया संकट के बीच भी भारत की विकास दर 7 प्रतिशत के आसपास बनी हुई है।

दुनिया में भारत के प्रति आर्थिक विश्वास बढ़ रहा है, विदेशी निवेश बढ़ रहे हैं, भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 692 अरब डॉलर से अधिक की ऊंचाई पर पहुंच गया है, भारत के मुक्त व्यापार समझौते बढ़ रहे हैं और भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है। दूसरी ओर सैन्य और परमाणु शक्ति की राह पर भी भारत आगे बढ़ता हुआ दिखाई दे रहा है। हथियारों पर नजर रखने वाली वैश्विक संस्था ह्यस्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूटह्ल की हालिया रिपोर्ट के अनुसार भारत अपने परमाणु निवारक तंत्र को लगातार आधुनिक बना रहा है। हालिया आंकड़ों के मुताबिक भारत के पास परमाणु वॉरहेड्स की संख्या लगभग 190 तक पहुंच गई है। भारत की नीति में अब यह बदलाव भी देखा जा रहा है कि वह शांति काल में भी अपने कुछ परमाणु वॉरहेड्स को डिलीवरी सिस्टम (जैसे कैनिस्टराइज्ड मिसाइलें और परमाणु पनडुब्बियां) के साथ उपयोग के लिए तैयार रखने की दिशा में बढ़ा है। मिसाइलों को कैनिस्टर में रखने और समुद्र में ह्यडिटरेंस गश्तह्ल करने जैसे कदमों से संकेत मिलता है कि भारत अपनी त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता को मजबूत कर रहा है। चीन और पाकिस्तान की दोहरी चुनौती को देखते हुए भारत की रक्षा तैयारी रणनीति के तहत यह एक महत्वपूर्ण एवं रणनीतिक बदलाव है। निश्चित रूप से एक ऐसे समय में जब भारत की सीमाएं बढ़ती भू-राजनीतिक चुनौतियों के मद्देनजर अधिक संवेदनशील हो गई हैं, तब भारत को न केवल दुनिया की आर्थिक शक्ति, वरन उन्नत तकनीक और परमाणु सामर्थ्य से सुसज्जित सैन्य शक्ति बनने की ओर अधिक आवश्यकता है। भारत के पड़ोस में पाकिस्तान द्वारा

चीन निर्मित आधुनिक हथियारों और तकनीक की मदद से छद्म युद्ध व घुसपैठ को प्रश्रय दिया जाता रहा है। चीन की ओर से भी वास्तविक नियंत्रण रेखा एवं विशेष रूप से काराकोरम दर्रे के पास चुनौतियां पैदा की जा रही हैं। चीन द्वारा सीमावर्ती क्षेत्रों में सैन्य बुनियादी ढांचे का निर्माण और हिंद महासागर में ह्यस्ट्रिंग ऑफ पर्ल्सह्ल नीति के जरिए पैठ बढ़ाने का प्रयास जारी है।

ऐसे में भारत, चीन के हर विस्तारवादी कदम का लगातार कड़ा और बहुआयामी जवाब दे रहा है। अतीत में भी जब भारत ने आतंकी ठिकानों के खिलाफ कठोर सैन्य कार्रवाई की है, तब चीन और उसके सहयोगी देशों का रणनीतिक तालमेल देखने को मिला है। अब पाकिस्तान द्वारा चीन के सहयोग से अपनी मिसाइल क्षमता और पारंपरिक हथियारों का विस्तार किया जा रहा है। अमरीकी इंटेलिजेंस की ह्यएनुअल थ्रेट असेसमेंटह्ल रिपोर्ट में भी यह रेखांकित किया गया है कि पाकिस्तान के परमाणु हथियार भारत सहित दक्षिण एशिया में खतरा पैदा करने वाले हैं। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि भारत किसी भी परमाणु खतरे या दोतरफा सामरिक चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम और तैयार है। देश की रक्षा नीति स्पष्ट है कि भारत पहले परमाणु हथियार का उपयोग नहीं करेगा, लेकिन यदि शत्रु ने दुस्साहस किया तो उसका करारा और निर्णायक जवाब दिया जाएगा। भारत का न्यूनतम विश्वसनीय प्रतिरोध और मजबूत कमान-नियंत्रण प्रणाली किसी भी आक्रमण को विफल करने के लिए सतर्क है। आधुनिक लंबी दूरी की मिसाइलें देश की संप्रभुता और सुरक्षा को पुख्ता करती हैं। भारतीय सशस्त्र बल दोनों पड़ोसियों की ओर से मिलने वाली हर पारंपरिक व सामरिक चुनौती का माकूल जवाब देने के लिए पूरी तरह तत्पर हैं। भारतीय सेना हर परिस्थिति का सामना करने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निरंतर अपनी रणनीतिक क्षमताओं को सशक्त बना रही है। निःसंदेह, बीते वर्षों में आर्थिक और रक्षा विकास की नई रणनीति के तहत देश को आर्थिक और सामरिक आधारों पर मजबूती मिली है। भारत ने आतंकवाद के प्रति ह्यजीरो टॉलरेंसह्ल की कठोर नीति अपनाई है। सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयरस्ट्राइक के दौरान पूरी दुनिया ने देखा कि भारतीय सेना ने आधुनिक और स्वदेशी हथियारों के बल पर दुश्मन को कड़ा सबक सिखाया। आज भारत रक्षा क्षेत्र में एआई, ड्रोन तकनीक और आधुनिक निगरानी प्रणालियों का प्रभावी इस्तेमाल कर रहा है। हाल ही के वर्षों में भारत ने रक्षा निर्यात के क्षेत्र में भी अभूतपूर्व सफलता प्राप्त की है और इसका रक्षा निर्यात 38000 करोड़ रुपए से अधिक के स्तर को पार कर गया है। इन उपलब्धियों के बावजूद भारत को यह दृढ़ता से स्वीकार करना होगा कि प्रतिस्पर्धी पड़ोसियों से टकराव की आशंका बनी रह सकती है। साथ ही हालिया वैश्विक व क्षेत्रीय संघर्षों से भारत के लिए तेज विकास के साथ रक्षा मोर्चे पर आत्मनिर्भर बनने का सबक स्पष्ट रूप से उभरता है। ऐसे में भारत के लिए तेज आर्थिक विकास के साथ-साथ युद्ध के लिए अर्थव्यवस्था को तैयार करने, मजबूत सैन्य शक्ति व उन्नत परमाणु शक्ति संपन्न देश बनने के लिए और अधिक रणनीतिक कदमों के साथ आगे बढ़ना जरूरी है। 2047 तक विकसित भारत बनाने का जो लक्ष्य रखा गया है, उस राह पर तेजी से आगे बढ़ने के लिए देश का तेज आर्थिक विकास अनिवार्य है।

नीति आयोग के अनुसार, 2047 तक विकसित भारत के लिए देश की अर्थव्यवस्था को 30-35 ट्रिलियन डॉलर और प्रति व्यक्ति आय को 18000 डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके लिए भारत को लगातार उच्च विकास दर बनाए रखनी होगी। आगामी वर्षों में देश को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए जेन-जी की ऊर्जा को आर्थिक विकास से जोड़ना होगा। साथ ही, अर्थव्यवस्था को रक्षा क्षेत्र में पूर्णतः आत्मनिर्भर बनाना होगा, जिसका उद्देश्य विदेशी निर्भरता को खत्म करना, घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देना और रक्षा निर्यात को बढ़ाना है। हमें सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की रक्षा इकाइयों को तकनीकी शैक्षणिक संस्थानों के साथ जोडकर सैन्य साजो-सामान को अत्याधुनिक बनाने की दिशा में तेजी से बढ़ना होगा। आज के समय में युद्ध केवल सीमाओं पर ही नहीं लड़े जाते, बल्कि ये आधुनिक चिप्स, मिसाइलों, स्वार्म ड्रोन, हाइपरसोनिक हथियारों, इलेक्ट्रॉनिक्स और साइबर स्पेस में लड़े जाते हैं। अतएव ह्यमेक इन इंडियाह्ल के तहत आधुनिक हथियारों का स्वदेशीकरण करते हुए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर युद्ध क्षमताओं को मजबूत करना होगा। उम्मीद करें कि सरकार के साथ देश के वैज्ञानिक, तकनीकी विशेषज्ञ, उद्यमी-कारोबारी और अन्य विभिन्न क्षेत्रों के सभी लोग एकजुटता, परिश्रम व समर्पण से देश को आगे ले जाएंगे।

डा. जयंती लाल भंडारी, विख्यात अर्थशास्त्री

15 अगस्त, सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप- प्रत्यारोप

भारत का 80वाँ स्वतंत्रता दिवस सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच आरोप और प्रत्यारोप के कारण चर्चाओं में आ गया है। स्वतंत्रता दिवस पर सभी एक दूसरे को शुभकामनाएं देते हैं। यह पहली बार देखने को मिल रहा है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी पर निशाना साधा गया है। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने रचनात्मक कांग्रेस के सम्मेलन में केंद्र सरकार की विदेश नीति, विदेशी नेताओं को गले लगाने, प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के सदन में नहीं आने, की जो बयानबाजी की, उसके बाद से मामले ने तूल पकड़ लिया। इस विवाद में इटली की प्रधानमंत्री मेलोनी और प्रधानमंत्री मोदी के संबंधों को लेकर जो कहा गया, उसने विवाद की आग में घी डालने का काम किया। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया पर क्यूबा के पूर्व शासक फिदेल कास्त्रो और इंदिरा गांधी का गले मिलते हुए फोटो जारी कर आपत्तिजनक टिप्पणी कर दी। जिस पर बवाल शुरू हो गया। भाजपा नेताओं के धड़ाधड़ बयान आने लगे। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा, यही दिन देखना रह गया था। उन्होंने राहुल गांधी के बयान को देश के दुर्भाग्य से जोड़ दिया। रही सही कसर 15 अगस्त को लाल किले से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जो भाषण दिया। उसमें उन्होंने जेन-जेड और जेन-अल्फा के छात्रों को नक्सलवाद की दिमागी मानसिकता से जोड़ दिया...। पूर्व वित्तमंत्री पी चिदम्बर ने कहा हाँ हम दिमागी नक्सली है। इसके बाद बयान बाजी शुरू हो गई, जो थमने का नाम ही नहीं ले रही है। स्वतंत्र भारत के इतिहास में यह पहला स्वतंत्रता दिवस है, जिसमें सत्ता पक्ष, विपक्ष और छात्रों में इतनी तल्खी देखने को मिल रही है। रही-सही कसर 14 अगस्त की रात्रि में सांसद महुआ मोइत्रा को नादिया सर्किट हाउस से बाहर निकलने का आदेश दिया गया, जिसमें कहा गया कमरे के रखरखाव के लिए महुआ तुरंत कमरा खाली करें। सर्किट हाउस के गेट पर भारी भीड़ जमा थी, जो महुआ के खिलाफ नारे लगा रही थी। महुआ मोइत्रा ने इसकी शिकायत लोकसभा अध्यक्ष और सोशल मीडिया के माध्यम से बताया किस तरह से उनकी जान को खतरा है।

15 अगस्त को कांग्रेस मुख्यालय में जो झंडा रोहण हुआ, उसमें वंदे मातरम का पूरा गायन ना होकर संविधान सभा ने जिस वंदे मातरम को राष्ट्रीय गीत का दर्जा दिया था, उसका ही गायन हुआ। जिसको लेकर भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सोनिया गांधी को निशाने पर ले लिया। जिस तरह की तल्खी सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में मानसून सत्र के दौरान देखने को मिली, वह तल्खी विकृत स्वरूप में स्वतंत्रता दिवस पर देखने को मिली। जिस तरह के राजनीतिक हालात देश में देखने को मिल रहे हैं। जंतर मंतर और झारखंड के छात्र आंदोलन को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष एक दूसरे पर निशाना साध रहे है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा छात्रों के आंदोलन को नक्सली मानसिकता से जोड़कर लाल किले में जो भाषण दिया गया। 2047 के जो सपने प्रधानमंत्री ने दिखाए हैं। 15 अगस्त का स्वतंत्रता दिवस जो हर वर्ष हर्षो-उल्लास से मनाया जाता था। वह हर्ष कहीं देखने को नहीं मिला, उल्टे जिस तरह से सत्ता पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे को घेर रहे हैं, सत्ता पक्ष ने राहुल गांधी को निशाने पर ले रखा है। वहीं राहुल गांधी और विपक्ष ने गृहमंत्री अमित शाह के साथ-साथ अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। उसके बाद से ऐसा लगता है, आने वाले दिनों में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच में यह तल्खी और बढ़ेगी। विपक्ष अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है, वहीं सत्ता पक्ष सत्ता को बचाए रखने के लिए एड़ी चोटी का जोर लगा रहा है। रही-सही कसर छात्र आंदोलन पूरी कर रहे हैं। जेन-जेड के बाद जेन-अल्फा के आंदोलनो ने केंद्र एवं राज्य सरकारों की चिंता बढ़ा दी है। बड़े मियां तो बड़े मियां, छोटे मियां सुभानअल्लाह की तर्ज पर 16 वर्ष से कम उम्र के छात्र-छात्राएं सड़कों पर आकर बवाल काट रहे हैं। उसने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन और राज्य सरकारों की नींद हराम कर दी है। इन बच्चों को समझापाना आसान नहीं है। मंत्री से लेकर संत्री तक सब जेन-अल्फा के सामने बेबस नजर आ रहे हैं। पेपर लीक मामले से शुरू हुआ छात्रों का यह आंदोलन निरंतर बढ़ता ही चला जा रहा है।

जेन-जेड के आंदोलनकारी अब भ्रष्टाचार और न्याय पालिका के खिलाफ भी मुखर हो गए हैं। जिस तरह से वह न्यायपालिका, शासन और प्रशासन के ऊपर हमले कर रहे हैं, उसने सरकार की चिंता बढ़ा दी है। जेन-अल्फा के छात्र सड़क, स्कूल की बिल्डिंग, मास्टरों की कमी, बढ़ते बस किराए और अन्य मांगों को लेकर जिस तरह से सड़कों पर आकर कई राज्यों में प्रदर्शन कर रहे हैं, इससे कानून व्यवस्था की स्थिति को लेकर सरकारों की चिंता बढ़ गई है। जिस वर्ग की कभी चिंता नहीं की थी। वहीं छात्र गांव एवं शहरों में धरना देकर अधिकारियों, कलेक्टर और मंत्रियों को बुलाकर अपनी समस्याओं का तुरंत निदान चाहते हैं। इससे निर्वाचित प्रतिनिधियों और सरकारों की चिंता काफी बढ़ गई है। स्वतंत्रता के 80वें वर्ष में प्रवेश करने के साथ ही एक नई जनक्रांति देखने को मिल रही है। वर्तमान स्थिति को देखकर लोगों को 1942 का जेल भरो आंदोलन, 1975 में आपातकाल के पहले का छात्र आंदोलन, 1990 के छात्र आंदोलन तथा अन्ना आंदोलन की यादें ताजा हो रही हैं। बाबा रामदेव ने भी जिस तरह से रंग बदला है, उन्होंने भ्रष्टाचार, शिक्षा और परीक्षा व्यवस्था को लेकर सरकार को आड़े हाथों लिया है। वह भारत मे हो रहे बदलाव का संकेत है। 2014 के बाद से जो भारत डरा हुआ था, जंतर मंतर आंदोलन के बाद से सभी वर्गों के लोग जैसे डर से बाहर हो गये हैं। ऐसा लगता है, 1947 की स्वतंत्रता के समय जो दृश्य सड़कों पर था, वह 2026 में एक बार पुनः देखने मिल रहा है। 15 अगस्त 1947 को जनता स्वतंत्रता की खुशी मनाने सड़कों पर उतरी थी। आज अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के रूप में वही दृश्य दिख रहा है। किसी में भी डर-भय नहीं दिख रहा है। आंध्र प्रदेश की नालसा यूनिवर्सिटी में जिस तरह का विरोध मुख्य न्यायाधीश के प्रति देखने को मिला है। यह सब आश्चर्यचकित करने वाली घटनाएं हैं। छात्र आंदोलन के बाद लगता है, सभी वर्गों ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता को समझ लिया है।

लेखक- सनत जैन

घटते सियासी मूल्य और टूटता सामाजिक भाईचारा

हिमाचल प्रदेश की पहचान केवल देवभूमि, प्राकृतिक सौंदर्य और शांत वातावरण के कारण नहीं रही है। यहां की सामाजिक संस्कृति, आपसी विश्वास, सामुदायिक जीवन और राजनीतिक शालीनता भी इसकी विशेष पहचान रही है। पहाड़ों की कठिन परिस्थितियों में लोगों ने लंबे समय तक राजनीतिक, जातीय और क्षेत्रीय मतभेदों से ऊपर उठकर एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े रहने की परंपरा कायम रखी। राजनीति में भी वैचारिक विरोध को व्यक्तिगत दुश्मनी में बदलने की प्रवृत्ति अपेक्षाकृत कम दिखाई देती थी। लेकिन पिछले कुछ वर्षों में हिमाचल की राजनीतिक संस्कृति में बदलाव साफ दिखाई देने लगा है।

राजनीतिक प्रतिस्पर्धा लोकतंत्र की आवश्यकता है, लेकिन जब यही प्रतिस्पर्धा व्यक्तिगत कटुता, अपमानजनक भाषा, आरोप-प्रत्यारोप और सोशल मीडिया की आक्रामकता में बदलने लगे, तो उसका असर केवल नेताओं तक सीमित नहीं रहता। धीरे-धीरे इसका प्रभाव समाज और आम लोगों के संबंधों पर भी पड़ने लगता है। लोकतंत्र में विपक्ष का काम सरकार से सवाल पूछना है और सरकार का दायित्व उन सवालों का जवाब देना। समस्या विरोध में नहीं, बल्कि विरोध के तरीके और भाषा में है। जब बहस विकास, रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य और प्रशासन जैसे मुद्दों से हटकर व्यक्तियों पर केंद्रित होने लगे, तो राजनीतिक संवाद कमजोर होता है। असहमति लोकतंत्र की ताकत है, लेकिन असहमति को शत्रुता में बदल देना लोकतंत्र की कमजोरी है। फरवरी 2024 का राज्यसभा चुनाव हिमाचल की बदलती राजनीतिक संस्कृति का एक बड़ा उदाहरण रहा। कांग्रेस के छह विधायकों ने अपनी पार्टी के उम्मीदवार के बजाय दूसरे उम्मीदवार के पक्ष में मतदान किया, जिसके बाद प्रदेश की राजनीति में काफी हलचल मची। विधायकों की अयोग्यता, उपचुनाव और लगातार आरोप-प्रत्यारोप का दौर चला। अलग-अलग राजनीतिक दल इस घटनाक्रम को अपने नजरिए से देख सकते हैं, लेकिन इससे एक महत्वपूर्ण सवाल जरूर उठता है कि क्या हमारी राजनीति जनहित और नीतियों से ज्यादा सत्ता बचाने और राजनीतिक नफा-नुकसान पर केंद्रित होती जा रही है? मई 2026 के नगर निगम चुनावों ने भी प्रदेश में बढ़ती राजनीतिक प्रतिस्पर्धा को सामने रखा। भाजपा ने मंडी, धर्मशाला और सोलन नगर निगमों में जीत हासिल की, जबकि कांग्रेस ने पालमपुर पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। चारों नगर निगमों में 63 प्रतिशत से अधिक मतदान हुआ। इन परिणामों से यह भी स्पष्ट होता है कि मतदाता हर जगह एक जैसा निर्णय नहीं करता। वह उम्मीदवार, स्थानीय नेतृत्व, प्रशासन और क्षेत्रीय समस्याओं को भी ध्यान में रखता है। इसके बावजूद चुनाव परिणामों के बाद राजनीतिक दल अक्सर उन्हें अपने पक्ष में व्यापक जनादेश के रूप में प्रस्तुत करने लगते हैं। चुनावी राजनीति में यह स्वाभाविक हो सकता है, लेकिन लोकतंत्र समाज को विजेता और पराजित नागरिकों में नहीं बांटता।

चुनाव समाप्त होने के बाद सभी लोग फिर उसी गांव, शहर और समाज का हिस्सा होते हैं। हिमाचल जैसे छोटे और सामाजिक रूप से जुड़े प्रदेश में राजनीतिक ध्रुवीकरण का प्रभाव अधिक गंभीर हो सकता है। यहां राजनीतिक मतभेद केवल विधानसभा और पार्टी कार्यालयों तक सीमित नहीं रहते। उनका असर पंचायत, गांव, बाजार, मित्रता और परिवारों तक भी पहुंचता है। एक ही परिवार में अलग-अलग राजनीतिक विचार रखने वाले लोग हो सकते हैं। यदि राजनीति हमें यह सिखाने लगे कि दूसरे विचार वाला व्यक्ति केवल विरोधी नहीं, बल्कि दुश्मन है, तो यह समाज और लोकतंत्र दोनों के लिए चिंता का विषय है। धर्म और आस्था से जुड़े मुद्दों पर भी राजनीतिक बयानबाजी बहुत सावधानी से होनी चाहिए। जुलाई 2026 में राम मंदिर से जुड़े चंदे के कथित विवाद को लेकर हिमाचल में कांग्रेस और भाजपा के बीच तीखा राजनीतिक संघर्ष देखने को मिला। किसी भी आरोप की निष्पक्ष जांच जरूरी है, लेकिन धार्मिक भावनाओं को राजनीतिक हथियार बना देना उचित नहीं है। आस्था किसी एक राजनीतिक दल की संपत्ति नहीं हो सकती। राजनीतिक भाषा का गिरता स्तर भी चिंता का विषय है। नेता जिस भाषा का प्रयोग सार्वजनिक मंचों पर करते हैं, वही भाषा धीर-धीरे कार्यकर्ताओं और समर्थकों तक पहुंचती है। सोशल मीडिया इसे और अधिक तीखा कर देता है। आज राजनीतिक पोस्टों के नीचे तर्क से अधिक व्यक्तिगत टिप्पणियां, व्यंग्य और अपमान देखने को मिलता है। हाल ही में चंबा के अंतरराष्ट्रीय मिंजर मेले के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू एक स्थानीय नाई की छोटी-सी दुकान पर बाल कटवाते नजर आए। कोई इसे उनकी सादगी मान सकता है और कोई इसे राजनीतिक छवि बनाने की कोशिश कह सकता है। लोकतंत्र में दोनों तरह की राय का अधिकार है। लेकिन इस घटना को लेकर कांग्रेस से भाजपा में आए एक विधायक द्वारा सोशल मीडिया पर जिस तरह की भाषा का प्रयोग किया गया, उसने राजनीतिक मयार्दा पर फिर सवाल खड़े किए। किसी मुख्यमंत्री, मंत्री या विपक्ष के नेता की आलोचना करना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन आलोचना की भाषा गरिमापूर्ण होनी चाहिए। सरकार की नीतियों की कठोर आलोचना की जा सकती है, लेकिन व्यक्तिगत टिप्पणी किसी भी पक्ष की ओर से हो, उसे उचित नहीं ठहराया जा सकता। नेता अपना राजनीतिक दल बदल सकते हैं और इसके साथ ही उनकी भूमिकाएं भी बदल सकती हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में शालीनता और सम्मान के मूल्य नहीं बदलने चाहिए। राजनीतिक मूल्यों में गिरावट के लिए केवल नेताओं को जिम्मेदार ठहराना भी सही नहीं होगा। मतदाता और समाज की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बिना सत्यापन के राजनीतिक संदेश साझा करना, अपमानजनक भाषा को बढ़ावा देना और अपने पसंदीदा दल की हर बात को सही मानना राजनीतिक कटुता को बढ़ाता है। लोकतंत्र में मतदाता को समर्थक बनने से पहले जिम्मेदार नागरिक होना चाहिए। किसी दल का समर्थक होना लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन उसी दल से सवाल पूछना भी उतना ही जरूरी है। भाजपा का समर्थक भाजपा से और कांग्रेस का समर्थक कांग्रेस से सवाल पूछ सकता है। लोकतंत्र व्यक्ति-पूजा से नहीं, बल्कि जवाबदेही से मजबूत होता है।

रमेश धवाला, पूर्व मंत्री

आलेख

उम्मीदों पर खरा नहीं उतरा मानसून सत्र

संसदीय मयार्दाओं का क्षरण कब तक? आखिर कब हम संसद के एक-एक मिनट का उपयोग करने की पात्रता विकसित करेंगे? आजादी की 80वीं वर्षगांठ की आयोजना से पूर्व भारत में संसद का मानसून सत्र जिस निराशाजनक स्थिति, नाउम्मीदी और उपेक्षापूर्ण स्थितियां के साथ संपन्न हुआ, वह केवल किसी एक दल, सरकार या विपक्ष की विफलता नहीं है, बल्कि हमारी संसदीय संस्कृति के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। 25 दिनों तक चले इस सत्र में तीखी राजनीतिक बहस के बजाय हंगामा, नारेबाजी, गतिरोध और कार्यवाही बाधित करने की प्रवृत्ति अधिक प्रभावी रही। प्रश्न यह नहीं है कि सत्ता पक्ष सही था या विपक्ष, प्रश्न यह है कि क्या हमारी संसद अपने मूल दायित्व-जनता के प्रश्नों पर गंभीर विमर्श, सरकार की जवाबदेही और राष्ट्रहित में कानून निर्माण को पूरा कर पा रही है? इस सत्र के आंकड़े स्वयं बहुत कुछ कह रहे हैं। लोकसभा की उत्पादकता बमुश्किल 19 प्रतिशत रही, जबकि राज्यसभा में लगभग 39 प्रतिशत काम हो पाया। लोकसभा में एक भी दिन प्रश्नकाल पूरा नहीं हो सका। यह स्थिति इसलिए अधिक चिंताजनक है क्योंकि प्रश्नकाल संसद की आत्मा माना जाता है। देश की जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधियों को सरकार से प्रश्न पूछने और सरकार को उनका उत्तर देने का अवसर ही यदि सदन में उपलब्ध न हो, तो लोकतंत्र की जवाबदेही किस रास्ते से सुनिश्चित होगी? 28 जुलाई को लोकसभा में अपेक्षाकृत ठीक काम हुआ, जबकि राज्यसभा में भी केवल कुछ दिन ही सार्थक कार्यवाही हो सकी। शेष समय का बड़ा हिस्सा राजनीतिक टकराव की भेंट चढ़ गया।

संसद केवल ईंट-पत्थर से बनी इमारत नहीं है। वह भारत की सामूहिक चेतना का सर्वोच्च लोकतांत्रिक मंच है। वहां देश के करोड़ों नागरिकों की आकांक्षाएं, समस्याएं और सपने पहुंचते हैं। किसान, मजदूर, विद्यार्थी, महिला, व्यापारी, युवा, गरीब और वंचित वर्ग-सभी की आवाज संसद के माध्यम से राष्ट्रीय विमर्श का हिस्सा बनती है। इसलिए संसद का एक मिनट भी केवल सांसद का समय नहीं होता, वह देश की जनता के धन, विश्वास और लोकतांत्रिक अधिकार का समय होता है। संसद का प्रत्येक व्यर्थ गया मिनट वास्तव में जनता के विश्वास से घटा हुआ एक मिनट है। दुर्भाग्य यह है कि संसद में हंगामा अब अपवाद नहीं, बल्कि संसदीय राजनीति का लगभग नियमित हथियार बनता जा रहा है। मुद्दे उठाना लोकतांत्रिक अधिकार है, सरकार को घेरना विपक्ष का दायित्व है और असहमति लोकतंत्र की शक्ति है, लेकिन असहमति को संवाद में बदलने के बजाय कार्यवाही रोक देना लोकतंत्र को मजबूत नहीं करता। विरोध की भी एक मयार्दा होती है। यदि विपक्ष अपनी बात रखने के लिए सदन को चलने ही न दे और सत्ता पक्ष विपक्ष की आवाज सुनने की बजाय राजनीतिक बहुमत को ही पर्याप्त समझे, तो दोनों मिलकर संसदीय लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करते हैं।

इस सत्र में कुछ घटनाएं इस गिरावट को और स्पष्ट करती हैं। लोकसभा अध्यक्ष ने सत्र के समापन पर पारंपरिक समापन भाषण नहीं दिया। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और तृणमूल कांग्रेस द्वारा लोकसभा अध्यक्ष के साथ होने वाली चाय पार्टी का बहिष्कार किया जाना भी केवल एक कार्यक्रम का बहिष्कार नहीं माना जा सकता। यह सदन के भीतर बढ़ती राजनीतिक कटुता का संकेत है। लोकतंत्र में मतभेद स्वाभाविक हैं, मनभेद लोकतंत्र के लिए घातक हैं। संसद में बहस के बाद हाथ मिलाने की संस्कृति विकसित होनी चाहिए, बहस के बाद दूरी बढ़ाने की नहीं। इस मानसून सत्र को नीट-यूजी पेपर लीक, जंतर-मंतर छात्र आंदोलन, शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग और राम मंदिर में दान चोरी जैसे मुद्दों के लिए भी याद किया जाएगा। जंतर-मंतर पर हुई हिंसा के बाद विपक्ष केंद्रीय गृहमंत्री से जवाब मांग रहा था। जब सत्र के अंतिम दिनों में गृहमंत्री जवाब देने को तैयार हुए तो विपक्ष द्वारा उनका वक्तव्य सुनने से इनकार करना संसदीय विवेक की कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है। यदि विपक्ष को सरकार के जवाब से असहमति थी, तो उसे सुनकर तथ्यात्मक प्रतिवाद करना अधिक प्रभावी लोकतांत्रिक रास्ता होता। संसद में जवाब सुनने से इनकार करना प्रश्न का समाधान नहीं, प्रश्न को अनुत्तरित छोड़ना है।

यह भी सच है कि तमाम गतिरोध के बीच संसद ने कुछ महत्वपूर्ण काम किए। विदेशी अंशदान विनियमन संशोधन विधेयक यानी एफसीआरए को सरकार ने विरोध के बीच संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजा। सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) संशोधन विधेयक, 2026 दोनों सदनों में पारित हुआ, जिसका उद्देश्य परीक्षाओं में अनुचित साधनों पर अंकुश लगाना और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करना है। बैंकिंग रिकॉर्ड को नए डिजिटल ढांचे से जोड़ने, जन्म-मृत्यु के विलंबित पंजीकरण को अधिक कठोर बनाने तथा अन्य विधायी एवं प्रशासनिक सुधारों की दिशा में भी कदम उठे। केरल का नाम विधिवत केरलम किए जाने का निर्णय भी इसी सत्र का हिस्सा रहा। ये उपलब्धियां बताती हैं कि यदि संसद चले तो कम समय में भी महत्वपूर्ण काम संभव है। लेकिन सवाल फिर वही है-जब संसद चल सकती है तो उसे बार-बार रोकने की आवश्यकता क्यों पड़ती है? क्या हम यह भूल गए हैं कि लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव जीतना नहीं है? लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है-विचारों का सम्मान, असहमति की स्वीकार्यता, संवाद की निरंतरता और निर्णय प्रक्रिया में जनता की भागीदारी। सत्ता पक्ष को यह समझना होगा कि बहुमत उसे शासन करने का अधिकार देता है, लेकिन विपक्ष को सुनने से मुक्त नहीं करता। दूसरी ओर विपक्ष को यह स्वीकार करना होगा कि विरोध का अधिकार संसद को निष्क्रिय करने का अधिकार नहीं है।

अतीत में हमारी संसदीय परंपरा ने अनेक कठिन दौर देखे हैं। तीखी बहसें हुईं, वैचारिक संघर्ष हुए, सरकारों की आलोचना हुई, लेकिन संसद को संवाद का मंच बनाए रखने की कोशिश होती रही। आज आवश्यकता है कि हम उस परंपरा को पुनर्जीवित करें। राजनीतिक दलों को अपने भीतर यह आत्ममंथन करना होगा कि क्या वे जनता के बीच जाकर यह कह सकते हैं कि हमने संसद में आपके प्रश्नों के लिए उपलब्ध समय का पूरा उपयोग किया? क्या कोई सांसद गर्व से कह सकता है कि उसने अपने कार्यकाल के प्रत्येक संसदीय अवसर को राष्ट्रहित में लगाया? संसद में हंगामा करना आसान है, लेकिन संसद चलाना चरित्र, संयम और लोकतांत्रिक परिपक्वता मांगता है। नारे लगाने के लिए ऊर्जा चाहिए, लेकिन तथ्यपूर्ण बहस के लिए अध्ययन चाहिए। माइक के सामने खड़े होने के लिए राजनीतिक उत्साह चाहिए, लेकिन कानून बनाने के लिए दूरदृष्टि चाहिए। कार्यवाही रोकने के लिए संख्या पर्याप्त हो सकती है, लेकिन राष्ट्र निर्माण के लिए विवेक, धैर्य और संवाद आवश्यक है।

आजादी के 80वें वर्ष की ओर बढ़ते भारत के लिए यह आत्ममंथन का समय है। हमने विज्ञान, अर्थव्यवस्था, तकनीक और वैश्विक प्रतिष्ठा के अनेक क्षेत्रों में बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन क्या हमारी राजनीतिक संस्थाएं भी उसी गति से परिपक्व हुई हैं? क्या हम संसदीय प्रणाली को इतना सशक्त बना पाए हैं कि संसद के एक-एक मिनट का अधिकतम उपयोग कर सकें? क्या हम अपनी असहमति को इतनी गरिमा दे पाए हैं कि विरोध भी हो और संवाद भी बना रहे? क्या हम सत्ता को इतनी विनम्रता और विपक्ष को इतना विवेक दे पाए हैं कि दोनों मिलकर लोकतंत्र को मजबूत करें? इन प्रश्नों के उत्तर केवल संसद भवन के भीतर नहीं खोजे जाने चाहिए। राजनीतिक दलों के नेतृत्व, सांसदों, संसदीय कार्यप्रणाली और अंततः हम नागरिकों-सभी को इस पर विचार करना होगा। जनता को भी यह प्रश्न पूछना चाहिए कि उसका प्रतिनिधि संसद में कितनी बार उपस्थित रहा, कितने प्रश्न पूछे, कितनी बहसों में भाग लिया और राष्ट्र के लिए क्या सार्थक योगदान दिया। लोकतंत्र केवल पांच वर्ष में एक बार वोट देने से मजबूत नहीं होता, लोकतंत्र तब मजबूत होता है जब जनता अपने प्रतिनिधियों से निरंतर जवाब मांगती है। हंगामा किसी दल की विजय नहीं है, बल्कि लोकतंत्र की सामूहिक पराजय है। संसद चलेगी तो प्रश्न पूछे जाएंगे, प्रश्न पूछे जाएंगे तो सरकार जवाब देगी, जवाब मिलेगा तो नीतियों की समीक्षा होगी और सार्थक कानून बनेंगे। यही लोकतंत्र की जीवन-धारा है।

लेखक- ललित गर्ग

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त वार्ता

दिल्ली पुलिस ने अलग-अलग मामले में दो शातिर चोरों को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन और मानसरोवर पार्क पुलिस स्टेशन की स्पेशल टीम ने अलग-अलग मामले में दो शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। दोनों चोरों के कब्जे से चोरी का सामान बरामद हुआ है।

कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन ने सोने के गहनों और कैश की चोरी का मामला सुलझाते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पहले भी चोरी व सेंधमारी के 3 मामलों में शामिल रहा है। दिल्ली के कृष्णा नगर निवासी अनिल कुमार की शिकायत पर 11 अगस्त को कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज हुई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि 11 अगस्त को दिन के समय अज्ञात लोग उनके घर में घुस आए और अलमारी से सोने-चांदी के गहने और 20,000 रुपये नकद चुरा ले गए। अपराध की गंभीरता को देखते हुए कृष्णा नगर पुलिस स्टेशन के स्टाफ ने तुरंत जांच शुरू की।

अवध ओझा ने की आरएसएस की तारीफ

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। मशहूर कोचिंग गुरु और आम आदमी पार्टी (आप) के पूर्व नेता अवध ओझा ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की तारीफ करते हुए कहा है कि वह भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से ही चुनाव लड़ना चाहते थे। आरएसएस की पत्रिका पाञ्चजन्य के एक कार्यक्रम में शामिल हुए ओझा ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान आरएसएस की भूमिका का जिक्र करते हुए यह बात कही। 'आप' के टिकट पर 2025 में दिल्ली के पटपड़गंज सीट से विधानसभा का चुनाव लड़ने वाले कोचिंग शिक्षक ने कहा कि वह भाजपा से ही टिकट चाहते थे, लेकिन इलाहाबाद सीट को लेकर सहमति नहीं बनी, जहां से वह लड़ना चाहते थे।

अवध ओझा ने की आरएसएस की तारीफ

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स यानी सीआईएसएफ ने दिल्ली मेट्रो ट्रेन में महिला यात्री (लड़की/युवती) के साथ कथित गलत व्यवहार के आरोपी जवान को सस्पेंड कर दिया है। सीआईएसएफ दिल्ली मेट्रो ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि सीआईएसएफ ने आरोपों को बहुत गंभीरता से लिया है। आरोपी जवान को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए गए हैं। जांच के नतीजों के आधार पर आगे ऐक्शन लिया जाएगा।

बता दें कि कथित घटना से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इसमें एक युवती सीआईएसएफ के एक जवान पर मोबाइल फोन से उसकी फोटो खींचने का आरोप लगा रही है। वीडियो सामने आने के बाद मेट्रो ट्रेन में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर चर्चा शुरू हो गई। मामला साकेत मेट्रो रेल स्टेशन से जुड़ा बताया जा रहा है। युवती ने पुलिस को बताया कि घटना के समय वह किसी के साथ थीं। उनके अनुसार, इसी दौरान सीआईएसएफ के एक एएसआई ने कथित तौर पर अपने मोबाइल फोन से कथित तौर पर उनकी कुछ तस्वीरें खींच लीं। आरोपी से विवाद और हाथापाई की घटना का वीडियो किसी व्यक्ति ने रिकॉर्ड कर लिया। इसके बाद यह सोशल मीडिया पर वायरल हो गया।

मिशन ओलिंपिक 2036 : भारतीय खिलाड़ियों की ट्रेनिंग होगी हाईटेक

2036 ओलिंपिक में भारत को ज्यादा पदक दिलाने के लिए आईआईटी दिल्ली खेलों में नई तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है। इसके लिए आईआईटी दिल्ली ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) और ब्रिटेन के एक्सेटर विश्वविद्यालय के साथ मिलकर काम शुरू किया है।

नई दिल्ली, वेब वार्ता

इस पहल का मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों के प्रदर्शन को बेहतर करना, चोट से बचाना और चोट लगने के बाद जल्दी ठीक होने में मदद करना है। खिलाड़ियों की ट्रेनिंग को भी आंकड़ों और वैज्ञानिक तरीके से बेहतर बनाया जाएगा।

जानकारी के मुताबिक, जनवरी 2024 में आईआईटी दिल्ली और एक्सेटर विश्वविद्यालय के बीच साझेदारी हुई थी। इसमें खेल विज्ञान, खिलाड़ियों के बेहतर प्रदर्शन और चोट से उबरने जैसे विषयों पर काम करने का फैसला हुआ था। इसके तहत आईआईटी दिल्ली के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग में सितंबर 2025 में स्पोर्ट्स बायोमैकेनिक्स लैब शुरू की गई। इसे साई के नेशनल सेंटर फार स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च के सहयोग से बनाया गया है।

एआई और सेंसर से मिलेगी खिलाड़ियों को मदद

खिलाड़ियों की मदद के लिए मोशन कैप्चर, एआई, मशीन लर्निंग, जीपीएस, वायरलेस ईएमजी और वियरेबल सेंसर जैसी तकनीकों का इस्तेमाल किया जाएगा। इन तकनीकों से खिलाड़ी की चाल, मांसपेशियों की गतिविधि, शरीर पर पड़ने वाला दबाव और प्रदर्शन से जुड़ा डेटा जुटाया जाएगा। एआई और मशीन लर्निंग इस डेटा का विश्लेषण करके ट्रेनिंग को बेहतर बनाने में मदद करेंगे।

लैब का फायदा मिलेगा

इस लैब में खिलाड़ियों के शरीर की गति, चाल और मांसपेशियों की गतिविधियों का वैज्ञानिक तरीके से अध्ययन किया जाएगा। इससे यह पता लगाने में मदद मिलेगी कि खिलाड़ी अपना प्रदर्शन कैसे बेहतर कर सकता है और उसे चोट लगने का खतरा कितना है। इस लैब का फायदा केवल खिलाड़ियों को ही नहीं, बल्कि कोच, फिजियोथेरेपिस्ट, खेल वैज्ञानिक और खेल महासंघों को भी मिलेगा।

मिल सकती है मदद

आईआईटी दिल्ली, साई और एक्सेटर विश्वविद्यालय ने 2-6 मार्च 2026 तक स्पोर्ट्स टेक्नोलाजी, मशीन लर्निंग एंड डेटा एनालिटिक्स नाम से पांच दिवसीय कार्यक्रम भी आयोजित किया था। इसमें कोच, फिजियोथेरेपिस्ट और खेल वैज्ञानिकों को एआई, जीपीएस, वियरेबल तकनीक, वीआर, ईएमजी और मोशन कैप्चर जैसी तकनीकों का प्रशिक्षण दिया गया। इस पहल से 2036 तक भारत के खिलाड़ियों को वैज्ञानिक तरीके से ट्रेनिंग देने और देश में अपनी स्पोर्ट्स टेक्नोलॉजी विकसित करने में मदद मिल सकती है।

पश्चिमी एशिया में युद्ध के हालात ने दिल्ली सरकार को लगाया 72 करोड़ से ज्यादा का चूना

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। पश्चिमी एशिया में युद्ध के हालात के चलते बिटुमिन से बनने वाली सड़कों की दो बड़ी योजनाओं पर सरकार ने संशोधित लागत को मंजूरी दी है। वित्तीय वर्ष 2026-27 की छठी व्यय वित्त समिति (ईएफसी) की बैठक में पूर्वी और उत्तरी रखरखाव जोन की कुल 162.712 किलोमीटर सड़कों के सुदृढ़ीकरण के लिए 467.66 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है। इस मंजूरी में पश्चिमी एशिया में युद्ध के हालात के चलते महंगे हुए बिटुमिन से कुल 72.55 करोड़ की राशि बढ़ गई है।

अब 298.52 करोड़ रुपये तक मंजूर

प्रस्ताव के तहत पूर्वी रखरखाव जोन में 58.292 किमी सड़कों के लिए पहले 147.08 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे, अब कुल 169.14 करोड़ रुपये तक की स्वीकृति हुई है। इसी तरह उत्तरी जोन की 104.42 किमी सड़कों के लिए पहले 247.31 करोड़ रुपये निर्धारित थे, अन्य मदों को जोड़कर अब 298.52 करोड़ रुपये तक मंजूर किए गए हैं। विभाग ने संशोधित प्रारंभिक अनुमान के तौर पर दोनों योजनाओं के लिए कुल करीब 587.94 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वास्तविक स्वीकृति न्यूनतम बोली के आधार पर करीब 467.66 करोड़ रुपये की बनी है। इसके तहत पूर्वी रखरखाव जोन में 58.292 किमी सड़कों के लिए संशोधित अनुमान 215.23 करोड़ रुपये था। पहले इस काम के लिए 147.08 करोड़ रुपये मंजूर हुए थे। टेंडर में सबसे कम बोली 164.55 करोड़ रुपये आई। अन्य निर्धारित मदें जोड़ने के बाद ईएफसी ने कुल 169.14 करोड़ रुपये तक की स्वीकृति दी है।

परियोजनाएं समय पर पूरी करने के निर्देश

इसी तरह उत्तरी जोन की 104.42 किमी सड़कों का संशोधित अनुमान 372.71 करोड़ रुपये पहुंच गया। मूल अनुमान 247.31 करोड़ रुपये था, जबकि सबसे कम बोली 290.44 करोड़ रुपये आई। अन्य मदों को जोड़कर स्वीकृति 298.52 करोड़ रुपये की मंजूरी दी गई है। दस्तावेज के अनुसार लागत बढ़ने का प्रमुख कारण बिटुमिन की कीमतों में तेज वृद्धि है। युद्ध से पहले बिटुमिन की दर 40,831 रुपये प्रति मीट्रिक टन थी, जो टेंडर के समय बढ़कर 80,140 रुपये हो गई। विभाग ने इसका कारण पश्चिमी एशिया से आपूर्ति में व्यवधान बताया है।

ईएफसी ने पीडब्ल्यूडी को भारी यातायात वाले और संवेदनशील हिस्सों में सीमेंट कंक्रीट सड़कों की संभावना तलाशने, दुर्घटना संभावित स्थानों पर सुरक्षा ग्रिल लगाने तथा परियोजनाएं समय पर पूरी करने के निर्देश दिए हैं।

स्ट्रोक की समय पर पहचान बचा सकती है मस्तिष्क

दिल्ली एम्स में 400 विशेषज्ञों ने दिए अहम सुझाव

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। स्ट्रोक की समय पर पहचान, तत्काल उपचार और बेहतर रेफरल व्यवस्था से मस्तिष्क को होने वाली स्थाई क्षति को काफी हद तक रोका जा सकता है। इसके लिए प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर बड़े अस्पतालों तक स्ट्रोक की रोकथाम, शुरूआती पहचान और उपचार की व्यवस्था को मजबूत करना जरूरी है। एम्स नई दिल्ली के न्यूरोलाजी विभाग की ओर से छह अगस्त को आयोजित इंडियन स्ट्रोक एसोसिएशन की सीएमई में विशेषज्ञों ने देश में स्ट्रोक देखभाल की व्यवस्था को मजबूत करने पर जोर दिया।

सीएमई में 400 से अधिक स्वास्थ्यकर्मी जुटे

सीएमई में 400 से अधिक स्वास्थ्यकर्मियों ने हिस्सा लिया। विषय ह्यभारत में स्ट्रोक देखभाल का विस्तार : रोकथाम से उन्नत उपचार तक था। इसका आयोजन मस्तिष्क की रक्त वाहिकाओं की जांच के लिए होने वाली सेरेब्रल एंजियोग्राफी के 100 वर्ष पूरे होने और इसके जनक एगास मोनिज को श्रद्धांजलि के अवसर पर किया गया।

इस मौके पर एम्स के निदेशक प्रो. निखिल टंडन ने कहा कि स्ट्रोक चिकित्सा अब केवल तंत्रिका संबंधी कमजोरी और अन्य लक्षणों की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि मस्तिष्क के कार्य को बचाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि स्ट्रोक की रोकथाम और उपचार सामूहिक जिम्मेदारी है। चिकित्सा व्यवस्था का लक्ष्य स्ट्रोक से मस्तिष्क को हुए नुकसान का उपचार करने के साथ ही मस्तिष्क के कार्य को सुरक्षित रखना होना चाहिए।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की अपर सचिव व राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन निदेशक अराधना पटनायक ने स्ट्रोक की रोकथाम, शुरूआती पहचान और समय पर रेफरल को महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के माध्यम से स्ट्रोक के जोखिम कारकों की जांच तथा आशा, एएनएम, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों और चिकित्सा अधिकारियों के प्रशिक्षण पर जोर दिया। उन्होंने हब-एंड-स्पोक व्यवस्था के माध्यम से प्राथमिक और विशेषज्ञ उपचार केंद्रों के बीच रेफरल व्यवस्था मजबूत करने की जरूरत बताई। नीति आयोग के सदस्य प्रो. एम. श्रीनिवास ने कहा कि स्ट्रोक देखभाल में रोकथाम, शुरूआती पहचान, आपात उपचार, पुनर्वास और सामुदायिक जागरूकता सभी को एक साथ मजबूत करना जरूरी है। उन्होंने 12 आकांक्षी जिलों में चल रही ब्रेन हेल्थ पहल का उल्लेख करते हुए बहुविषयक सहयोग पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि स्कूली बच्चे भी स्ट्रोक के प्रति जागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

एम्स के न्यूरोसाइंसेज सेंटर के प्रमुख और न्यूरोइमेजिंग एवं इंटरवेंशनल न्यूरोरेडियोलाजी विभागाध्यक्ष प्रो. शैलेश बी. गायकवाड़ ने देशभर में स्ट्रोक के इंटरवेंशनल उपचार की सुविधाएं बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने स्वदेशी न्यूरोवैस्कुलर उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

भाजपा की नई टीम में दिल्ली के नेताओं को मिला बड़ा कद

राम माधव उपाध्यक्ष और संदीप पाठक बने राष्ट्रीय मंत्री

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। भाजपा ने अपनी केंद्रीय टीम का गठन किया है, जिसमें दिल्ली के कई नेताओं को महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्त किया गया है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतिन नवीन द्वारा जारी सूची के अनुसार, विभिन्न दायित्वों पर इन नेताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

दिल्ली से राम माधव को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बनाया गया है, जबकि बीएल संतोष को राष्ट्रीय महामंत्री (संगठन) और सुनील बंसल को राष्ट्रीय महामंत्री नियुक्त किया गया है। इसके अलावा राजीव बब्बर को नॉर्थ-ईस्ट सह संयोजक का पद दिया गया है। केंद्रीय टीम में दिल्ली से जुड़े अन्य नेताओं को भी जगह मिली है। आप से आए संदीप पाठक, पूर्व मेयर जय प्रकाश और डॉ. स्वदेश सिंह को राष्ट्रीय मंत्री बनाया गया है। ये नियुक्तियां पार्टी की संगठनात्मक मजबूती के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

कल्याणपुरी में सफाईकर्मी की हत्या के बाद एक करोड़ रुपये मुआवजा

नई दिल्ली, (वेब वार्ता)

सरकारी नौकरी की मांग

दिल्ली के विभिन्न इलाकों से आए सफाई कर्मचारियों और ऑटो-टिपर चालकों ने 27 वर्षीय सफाई कर्मचारी की कल्याणपुरी में चाकू मारकर हत्या किए जाने के विरोध में सोमवार को लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल में प्रदर्शन किया और मृतक के परिवार को एक करोड़ रुपये का मुआवजा तथा परिवार के एक सदस्य को स्थाई सरकारी नौकरी देने की मांग की।

कई कर्मचारी अस्पताल में एकत्र हुए, जहां अनिल का शव रखा गया था। उन्होंने आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी, परिवार को मुआवजा देने और उसे काम पर रखने वाली निजी कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। प्रदर्शनकारियों द्वारा नारेबाजी करने और मांगें पूरी होने तक परिवार को शव अंतिम संस्कार के लिए नहीं ले जाने देने के बीच अस्पताल में दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों के जवान तैनात किए गए। दिल्ली सफाई कर्मचारी यूनियन के सदस्य करण सिंह महरोलिया ने कहा, हम परिवार के लिए एक करोड़ रुपये का मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को एमसीडी में स्थाई नौकरी देने की मांग कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हमारी मांगें पूरी होने तक अंतिम संस्कार नहीं होने देंगे। पूरी दिल्ली में ऑटो-टिपर सड़कों पर नहीं उतरेंगे। उन्होंने बताया कि प्रदर्शन के तहत कई इलाकों में ऑटो-टिपर सड़कों पर नहीं उतरे। अनिल को रविवार सुबह करीब 8.15 बजे कल्याणपुरी में कचरा एकत्र करने के दौरान चाकू मारा गया था। उसे लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल ले जाया गया, जहां बाद में उसकी चोटों के कारण मौत हो गई।

पुलिस ने एक मामला दर्ज करके आरोपी की पहचान कर ली है, जो फरार है। पुलिस की टीम घटना की कड़ियों और हत्या के मकसद का पता लगाने के लिए सीसीटीवी फुटेज तथा अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही हैं। अनिल नगर निगम की ओर से एक निजी कंपनी के माध्यम से नियुक्त संविदा सफाई कर्मचारी था। घटना के बाद उसके सहकर्मियों ने धरना दिया था और आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी तथा परिवार को मुआवजा देने की मांग की थी। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने रविवार को कहा था कि वह अनिल के परिवार को मुआवजा दिलाना सुनिश्चित करेगी।

राघुबीर नगर में ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट से गोदाम में आग, दो की मौत

नई दिल्ली, वेब वार्ता। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में और गुजरात में सोमवार सुबह आग लग गई, सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पर लिया है। पहली आग पश्चिमी दिल्ली के राघुबीर नगर इलाके में ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद एक गोदाम में भीषण आग लग गई। वहीं, दूसरी घटना गुजरात के भरूच जिले के दहेज में भी सोमवार सुबह विजन प्रोडक्ट्स कंपनी में आग लग गई।

पश्चिमी दिल्ली के राघुबीर नगर इलाके में सोमवार तड़के ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद एक गोदाम में भीषण आग लग गई। हादसे में आग की चपेट में आए दो लोग गंभीर रूप से झुलस गए। दोनों को राघुबीर नगर स्थित गुरु गोविंद सिंह अस्पताल ले जाया गया, जहां ड्यूटी डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली अग्निशमन सेवा के मुताबिक, सोमवार सुबह 4:42 बजे आर-17ए, मस्जिद गुरुद्वारा रोड स्थित एक गोदाम में आग लगने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही दमकल की तीन वाटर टेंडर और एक वाटर बाउजर को मौके पर भेजा गया। अधिकारियों के अनुसार, आग इमारत की पहली मंजिल पर रखे घरेलू सामान में लगी थी।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि पहली मंजिल पर रखी ई-रिक्शा की बैटरी में विस्फोट के बाद आग भड़की। इसके बाद आग ने वहां रखे घरेलू सामान को अपनी चपेट में ले लिया। बताया जा रहा कि इमारत ग्राउंड फ्लोर के अलावा चार मंजिल की है। दमकल कर्मियों के पहुंचने से पहले ही आग से झुलसे दोनों लोगों को अस्पताल पहुंचाया जा चुका था, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल आग लगने के कारण, संभावित हताहतों और संपत्ति के नुकसान की स्पष्ट जानकारी नहीं मिल सकी है। मौके पर कूलिंग ऑपरेशन जारी है। जिससे समय रहते आग पर काबू पा लिया गया है।

मौके पर तैनात की गई टीमें

घटना की जानकारी मिलने के बाद दमकल विभाग के एसटीओ बत्ती लाल और एसओ महेश भी मौके पर पहुंचे। सोमवार सुबह 5:25 बजे आग से संबंधित घटना की जानकारी दी गई। पुलिस और दमकल विभाग की टीमें आग लगने के कारणों, मृतकों की पहचान और संपत्ति को हुए नुकसान का आकलन कर रही हैं। इसके साथ ही आग लगने का सही कारण पता लगाया जा रहा है। वहीं, गुजरात के भरूच जिले के दहेज में भी सोमवार सुबह विजन प्रोडक्ट्स कंपनी में आग लगने की सूचना सामने आई। बताया गया कि आग कंपनी के वेयरहाउस से शुरू हुई, जहां रेजिन का उत्पादन होता है। आग पर काबू पाने के लिए पांच से अधिक फायरफाइटिंग टीमें मौके पर तैनात की गईं।

दिल्लीवासियों ने कनॉट प्लेस को देशभक्ति के रंग में रंग दिया : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित तिरंगा यात्रा में भाग लिया। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा में शामिल हर दिल्लीवासी ने आज कनॉट प्लेस को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। युवाओं के हाथों में शान से लहराता तिरंगा और एक साथ गूंजता ह्यवंदे मातरम्ह्ण ऐसा दृश्य था, जिसने असंख्य वीरों के त्याग, बलिदान और देश के लिए उनके समर्पण को हम सभी के हृदय में फिर जीवंत कर दिया।

मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि दिल्ली स्वतंत्रता संग्राम के अनेक निर्णायक अध्यायों का केंद्र रही है और स्वतंत्र भारत की विकास यात्रा की साक्षी भी। आज उसी दिल्ली की नई पीढ़ी तिरंगा थामे, राष्ट्रगौरव के उसी भाव को आगे बढ़ाती हुई कदम से कदम मिलाकर चली। उन्होंने कहा कि इस यादगार तिरंगा यात्रा में एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत चहल, एनडीएमसी के अधिकारी और बड़ी संख्या में युवा साथी शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरे देश में स्वतंत्रता दिवस और उससे जुड़ा 'हर घर तिरंगा' उत्सव मनाया गया। इससे फिर साबित हुआ कि तिरंगा हमारे सम्मान, प्रतिष्ठा और गौरव का प्रतीक है; यह हमारे दिलों में बसता है और हमारे गर्व को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि हर नागरिक की 'जय भारत माता' की गूंजती आवाज के बीच, यह संकल्प लिया गया कि विकसित भारत का सपना सिर्फ एक संकल्प नहीं है—बल्कि पूरा देश, सभी सरकारें और हर एक नागरिक 'मिशन मोड' में इस काम के लिए खुद को समर्पित करेंगे।

मंडियों के आधुनिकीकरण एवं बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने में जुटी सरकार : कपिल मिश्रा

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली के विकास मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि सरकार मंडियों के आधुनिकीकरण एवं बुनियादी सुविधाओं को बेहतर करने के लिए तेजी से काम कर रही है। उन्होंने कहा श्रमिकों के भोजन एवं पोषण और अच्छे स्वास्थ्य के लिए सरकार तत्पर है। आजादपुर मंडी में अटल कैंटीन के साथ आयुष्मान आरोग्य मंदिर भी शुरू किया जा रहा है। इससे मंडी में काम करने वाले लोगों को भोजन और स्वास्थ्य दोनों सुविधाएं उपलब्ध हो रही है। मंत्री कपिल ने आज एक बयान जारी करते हुए कहा कि 'विकसित भारत 2047' और 'विकसित दिल्ली' संकल्प को पूरा करने के लिए दिल्ली अब नई ऊर्जा एवं नई गति से जुटेगी।

दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने 26 साल से फरार उम्रकैद के अपराधी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, 17 अगस्त (वेब वार्ता)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच की एसएआरएससी टीम ने देहरादून, उत्तराखंड से एक ऐसे भगोड़े को गिरफ्तार किया है, जिसे 31 साल पुराने 1 करोड़ की फिरौती के लिए अपहरण के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई गई थी। अपराधी देहरादून निवासी अमित यादव (57) की गिरफ्तारी पर साल 2000 में 5 हजार का इनाम भी घोषित किया गया था।

यह मामला 1 करोड़ की फिरौती के लिए ऋषि सेठी के अपहरण से जुड़ा है। 12 सितंबर 1995 को शाम करीब 7:00 बजे ऋषि सेठी एम्स के डायरेक्टर के घर के पास अपनी कार में बैठे थे, तभी 3-4 लोगों ने जबरदस्ती उनको अपने कब्जे में ले लिया। इसके बाद उनके साथ मारपीट की और आंखों पर पट्टी बांधी और उनकी ही कार में उनका अपहरण कर लिया। इसके बाद उन्हें एक अज्ञात जगह पर ले जाया गया और बंधक बनाकर रखा गया। अपहरणकताओं ने पीड़ित के परिवार से 1 करोड़ की फिरौती मांगी। आरोपियों के निर्देश पर मेरठ के होटल मयूर के कमरा नंबर 221 में 10 लाख की फिरौती की रकम रखी गई। 16 सितंबर 1995 को फिरौती की रकम लेने के बाद आरोपी अमित यादव को मेरठ में पुलिस ने पकड़ लिया। इसके पास से 10 लाख की पूरी फिरौती की रकम बरामद की गई। इसके बाद पुलिस आरोपी अमित यादव के किराए के घर गाजियाबाद पहुंची, जहां पीड़ित ऋषि सेठी एक स्टोररूम के अंदर जंजीरों से बंधे पाए गए। उन्हें सुरक्षित बचा लिया गया। अमित यादव के खिलाफ पटेल नगर पुलिस स्टेशन में एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद

25 अगस्त 1999 को अमित दोषी ठहराया गया और 2.50 लाख के जुमार्ने के साथ उम्रकैद की सजा सुनाई गई। आरोपी अमित यादव ने दिल्ली हाई कोर्ट में अपील दायर की और उसे 15 जनवरी 2000 को एक महीने के लिए अंतरिम जमानत मिल गई। हालांकि, इसके बाद उसने सरेंडर नहीं किया और फरार हो गया।

इसके बाद, साल 2000 में उसकी गिरफ़्तारी पर 5,000 का इनाम घोषित किया गया और उसे ह्यघोषित अपराधीह्ण भी करार दिया गया। अलग-अलग एजेंसियों की लगातार कोशिशों के बावजूद, वह लगभग 26 सालों तक गिरफ्तारी से बचता रहा। लगातार पूछताछ के दौरान आरोपी अमित यादव ने बताया कि साल 2000 में फरार होने के बाद उसने गाजियाबाद में अपना किराए का घर छोड़ दिया और दिल्ली पुलिस के रिकॉर्ड में मौजूद सभी संपर्क तोड़ दिए। इसके बाद उसने उत्तर प्रदेश के बागपत जिले के सैदपुर गांव में अपनी पुश्तैनी संपत्ति बेच दी।

बिल्डर बन गया

गिरफ्तारी से बचने के लिए, वह पहले उत्तराखंड के ऋषिकेश चला गया, जहां वह लगातार अपने ठिकाने और रहने की जगह बदलता रहा। इसके बाद 2001 में वह उत्तराखंड के देहरादून चला गया, जहां उसने अपनी पहचान से जुड़ी जानकारी बदली और नई पहचान के साथ नई जिंदगी शुरू की। बाद में उसने कंस्ट्रक्शन का काम शुरू किया और देहरादून (उत्तराखंड) में बिल्डर बन गया।

नागपंचमी पर बिरधा में गूंजा हर-हर महादेव

श्रद्धालुओं ने किया असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण व रुद्राभिषेक

बिरधा/ललितपुर। श्रावण मास के पावन अवसर पर ग्राम बिरधा में समस्त ग्रामवासियों के सहयोग से सात दिवसीय असंख्य पार्थिव शिवलिंग निर्माण एवं रुद्राभिषेक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया जा रहा है।

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

14 अगस्त से 20 अगस्त 2026 तक चलने वाले इस धार्मिक आयोजन में प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर भगवान भोलेनाथ की आराधना कर पुण्यलाभ अर्जित कर रहे हैं।

इसी क्रम में नागपंचमी के पावन पर्व पर धार्मिक आयोजन में श्रद्धालुओं की विशेष सहभागिता रही। ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक पार्थिव शिवलिंग का निर्माण किया और विधि-विधान से पूजन एवं रुद्राभिषेक कर भगवान शिव का आशीर्वाद प्राप्त किया। आयोजन स्थल पर पूरे दिन हर-हर महादेव और भोलेनाथ के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

आज के मुख्य यजमान पंडित कुलदीप चौधरी एवं उनके परिवार द्वारा विधि-विधान के साथ भगवान शिव की पूजा-अर्चना की गई। परिवार के सदस्यों ने श्रद्धापूर्वक पार्थिव शिवलिंग निर्माण, पूजन एवं रुद्राभिषेक में सहभागिता की।

आयोजन में ग्रामवासियों का विशेष सहयोग देखने को मिल रहा है। महिला, पुरुष और बच्चे भी धार्मिक कार्यक्रम में उत्साह के साथ शामिल होकर भगवान शिव की आराधना कर रहे हैं। श्रद्धालुओं द्वारा पार्थिव शिवलिंग निर्माण के बाद मंत्रोच्चार के बीच रुद्राभिषेक किया जा रहा है।

सम्पन्न कराये जायेंगे धार्मिक अनुष्ठान

आयोजकों ने बताया कि सात दिवसीय इस धार्मिक आयोजन का उद्देश्य सामूहिक रूप से भगवान शिव की आराधना करना और ग्रामीणों को धार्मिक एवं आध्यात्मिक वातावरण से जोड़ना है। आयोजन के आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान विधि-विधान और श्रद्धा के साथ संपन्न कराए जाएंगे। नागपंचमी के अवसर पर आयोजित विशेष पूजा-अर्चना में श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और भगवान भोलेनाथ के चरणों में अपनी आस्था अर्पित करते हुए सुख-समृद्धि एवं परिवार की मंगलकामना की।

संक्षिप्त वार्ता

देवरिया में कारों की आमने-सामने टक्कर में युवक की मौत, सात लोग गंभीर रूप से घायल

देवरिया 17 अगस्त। देवरिया जिले के गौरीबाजार थाना क्षेत्र के हिन्दुस्तान पेट्रोल पंप के पास रविवार की देर रात दो कारों की आमने-सामने हुई भीषण टक्कर में 24 वर्षीय युवक की मौत हो गई, जबकि सात लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद एक कार में आग लग गई।

पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से आग पर काबू पाने के साथ घायलों को बाहर निकालकर मेडिकल कॉलेज भेजा। मृतक की पहचान देवरिया के अबूबकर नगर निवासी शारिक पुत्र जहांगीर के रूप में हुई।हादसा रात करीब 11:30 बजे हुआ।यह सूचना पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार बलिया से गोरखपुर जा रही कार में रेवती निवासी ऋतिक पुत्र सत्येंद्र (26) और सिद्धार्थ सोनी पुत्र तारकेश्वर (25) सवार थे।हिन्दुस्तान पेट्रोल पंप के पास सड़क पर खड़े टैंकर और नगर पंचायत की निमार्णाधीन नाली के लिए सड़क पर पड़ी गिट्टी से बचने के प्रयास में चालक ने कार को मोड़ा। इसी दौरान कार अनियंत्रित होकर डिवाइडर पार कर गोरखपुर से देवरिया की ओर जा रही दूसरी कार से जा भिड़ी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों कारों के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और वाहनों में फंसे लोगों को निकालने में जुट गए।

जीआरपी पुलिस की तत्परता से अपहृत बालक हुआ बरामद

वेब वार्ता, कानपुर। यात्रियो के सुरक्षा एवं अपराधिक घटनाओं की रोकथाम हेतु पुलिस महानिदेशक रेलवे प्रकाश डी० द्वारा दिये गये मार्गदर्शन के तहत प्रभारी निरीक्षक थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल ओम नारायण सिंह के कुशल नेतृत्व मे आपरेशन मुस्कान व श्रावण माह के दृष्टिगत कानपुर सेन्ट्रल रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म, सकुर्लेटिंग एरिया, यात्री प्रतीक्षालय पर भ्रमण व चेकिंग के दौरान रेलवे स्टेशन के सकुर्लेटिंग एरिया पर एक बालक अकेले घूमते हुए मिला, पूछताछ करने पर अपना नाम पीयुष (काल्पनिक) पुत्र रंजीत राय निवासी दीदारगंज थाना दीदारगंज जिला पटना बिहार बताया। बालक की उम्र लगभग 14 वर्ष बताई गइ है।

बालक के परिजनों से सम्पर्क करने पर जानकारी हुई कि बालक के अपहरण के सम्बन्ध में थाना दीदारगंज जिला पटना बिहार पर मुकदमा भी दर्ज है। बालक को बिहार पुलिसये सम्पर्क कर नियमानुसार सुपुर्द किया गया। आगे कि विधिक कार्यवाही थाना दीदारगंज जिला पटना बिहार से की जाएगी। बालक को बरामद करने वाली टीम में एसआई विनोद कुमार यादव, अरविन्द गुप्ता थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल, हे0का0 शिव सिंह, रमेश सोनकर, बृजेश यादव, का. विपिन यादव, दीपक यादव थाना जीआरपी कानपुर सेन्ट्रल रहे।

मेरठ-रुड़की हाईवे पर नशे में अग्निवीर का हंगामा, पुलिस से भी भिड़ा

वेब वार्ता, मेरठ। कंकरखेड़ा क्षेत्र में मेरठ-रुड़की हाईवे पर नशे में धुत एक अग्निवीर सिपाही के हंगामे का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला चर्चा में आ गया है। आरोप है कि कार की टक्कर के बाद विवाद बढ़ा और मौके पर पहुंची पुलिस से भी सिपाही ने अभद्रता व हाथापाई की। वायरल वीडियो में दारोगा की वर्दी फाड़ने का दावा भी किया जा रहा है। पुलिस ने सिपाही को हिरासत में लेने के बाद सेना पुलिस के हवाले कर दिया।

कार टकराने के बाद शुरू हुआ विवाद

बताया जा रहा है कि अग्निवीर के रूप में सेना में भर्ती हर्ष तोमर कंकरखेड़ा क्षेत्र में हाईवे किनारे अपनी कार पीछे कर रहा था। इसी दौरान उसकी कार पीछे खड़ी दूसरी कार से टकरा गई। दूसरी कार के चालक ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। मामला बढ़ने पर कार चालक ने पुलिस को सूचना दी। कुछ ही देर में कंकरखेड़ा थाना पुलिस और डायल-112 की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिसकर्मियों ने जब हर्ष तोमर को समझाने और हिरासत में लेने का प्रयास किया तो उसने कथित तौर पर पुलिसकर्मियों से भी खींचतान शुरू कर दी।

पुलिस के अनुसार, मौके पर मौजूद दारोगा, हेड कांस्टेबल और सिपाहियों समेत करीब पांच पुलिसकर्मियों ने अग्निवीर को नियंत्रित करने का प्रयास किया। आरोप है कि इसी दौरान उसने एक हेड कांस्टेबल और दारोगा की गर्दन दबाने की कोशिश की। मौके पर मौजूद लोगों की भीड़ इस पूरे घटनाक्रम को देखती रही। इसी दौरान किसी व्यक्ति ने मोबाइल फोन से घटना का वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वीडियो में पुलिसकर्मी और आरोपी के बीच धक्का-मुक्की दिखाई देने की बात कही जा रही है। साथ ही दारोगा की वर्दी फटने का दावा भी किया जा रहा है।

कुशीनगर में दो बाईकों की भिडंत में पांच लोग बुरी तरह घायल

कुशीनगर। कुशीनगर जिले के खड्डा थाना क्षेत्र में रामपुर गोनहा के पास तेज रफ्तार बाइक ने पीछे से दूसरी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइकों पर सवार पांच लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार अहिरौली नौका टोला निवासी अभिषेक सिंह अपने पिता शिवविलास सिंह के साथ महराजगंज में अस्पताल गए थे। वापस लौटते समय उनकी बाइक को पीछे से आ रही बाइक ने टक्कर मार दी। दूसरी बाइक पर सिसवा बाजार निवासी चंद्रेश, सन्नी और मुन्ना सवार थे, जो पनियहवा पुल की ओर जा रहे थे।

सचल विज्ञान बस से गांव-गांव पहुंचेगा विज्ञान का ज्ञान

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि और वैज्ञानिक सोच विकसित करने के उद्देश्य से जिले में सचल विज्ञान बस का संचालन शुरू किया गया है। सोमवार को जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने अपने कैंप कार्यालय से सचल विज्ञान प्रदर्शनी बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह बस 17 अगस्त से 31 अगस्त तक 15 दिनों के दौरान जनपद की सभी तहसीलों के विभिन्न विद्यालयों में पहुंचकर कक्षा छह से 12 तक के छात्र-छात्राओं को विज्ञान से जुड़ी गतिविधियों और प्रयोगों की जानकारी देगी। सचल विज्ञान बस का निर्माण आईआईटी कानपुर द्वारा किया गया है तथा इसका संचालन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, लखनऊ, उत्तर प्रदेश शासन द्वारा किया जा रहा है। इसका उद्देश्य दूरस्थ क्षेत्रों के विद्यालयों तक विज्ञान को लोकप्रिय बनाना तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हो रहे विकास के प्रति विद्यार्थियों एवं आमजन में जागरूकता बढ़ाना है। बस को रवाना करते हुए जिलाधिकारी सत्य प्रकाश ने कहा कि इस प्रकार की सचल विज्ञान बस ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों में विज्ञान के प्रति रुचि और जिज्ञासा उत्पन्न करने में निश्चित रूप से सहायक होगी। समाज के विकास के लिए लोगों में वैज्ञानिक सोच का होना आवश्यक है।

विद्यार्थियों को केवल विज्ञान के सिद्धांतों की जानकारी ही नहीं, बल्कि उनसे संबंधित प्रयोगों को समझना और स्वयं करके सीखना भी बेहद महत्वपूर्ण है। जिला विद्यालय निरीक्षक ओम प्रकाश ने बताया कि सचल विज्ञान बस छात्र-छात्राओं के लिए बेहद शिक्षाप्रद है। इसमें विज्ञान से संबंधित उच्चस्तरीय मॉडल प्रदर्शित किए गए हैं, जिनके माध्यम से विद्यार्थी जटिल वैज्ञानिक सिद्धांतों को आसानी से समझ सकेंगे।

सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलने वालों पर पुलिस का शिकंजा, 11 गिरफ्तार

कोतवाली और बानपुर पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में 25 हजार रुपये से अधिक की नकदी बरामद

वेब वार्ता, आलोक चतुर्वेदी

ललितपुर। सार्वजनिक स्थानों पर जुआ खेलने वालों के खिलाफ ललितपुर पुलिस द्वारा चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली और थाना बानपुर पुलिस ने दो अलग-अलग स्थानों पर प्रभावी कार्रवाई करते हुए कुल 11 जुआरियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ताश के पत्तों के साथ कुल 25,560 रुपये की नकदी बरामद की है। दोनों मामलों में धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर विधिक कार्रवाई की गई। अपराध जमानतीय होने के कारण सभी आरोपियों को आवश्यक मुचलके पर रिहा कर दिया गया।

कोतवाली ललितपुर क्षेत्र की बह्म चौकी अंतर्गत हवा पट्टी पर पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि कुछ लोग मोबाइल की रोशनी में ताश के पत्तों से रुपये की हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और सात आरोपियों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मौके से जुए के फड़ से 23,500 रुपये, 52 ताश के पत्ते, दो अन्य पत्ते और चार सफेद कागज बरामद किए गए। इसके अलावा आरोपियों की जामा तलाशी में 7,600 रुपये नकद और मोबाइल फोन भी मिले।

गिरफ्तार आरोपियों में सौरभ जैन निवासी तालाबपुरा, अमित निवासी मुक्तापुरा डैम रोड, सरताज खां निवासी मुक्ताई चौक श्रीपुरा, अमित कुमार जैन निवासी मुख्य बाजार, अजय निवासी सावरकर बस्ती, जितेन्द्र जैन निवासी कटरा बाजार तथा शशिकिशोर साहू निवासी तालाबपुरा शामिल हैं। इस मामले में एफआईआर संख्या 0884/2026 के तहत धारा 13 सार्वजनिक जुआ अधिनियम में मुकदमा दर्ज किया गया। कार्रवाई में उपनिरीक्षक ललित उज्जवल, चौकी प्रभारी मंडी, उपनिरीक्षक अंकित कौशिक, उपनिरीक्षक आलोक कुमार और उपनिरीक्षक अरुण कुमार शामिल रहे। दूसरी कार्रवाई थाना बानपुर पुलिस ने छोटा राजा के होटल के पीछे खाली स्थान पर की। पुलिस के मुताबिक 13/14 अगस्त की रात गश्त और चेकिंग के दौरान टीकमगढ़ रोड पर मुखबिर से सूचना मिली कि होटल के पीछे कुछ लोग मोमबत्ती की रोशनी में ताश के पत्तों पर रुपये की हार-जीत का जुआ खेल रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश देकर चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने जुए के फड़ से 1,550 रुपये तथा जामा तलाशी से 510 रुपये, कुल 2,060 रुपये नकद, 52 ताश के पत्ते और एक जली हुई मोमबत्ती बरामद की। गिरफ्तार आरोपियों में गुड्डू उर्फ ताजिस्तान निवासी बौरू दरवाजा, कोतवाली टीकमगढ़, छोटा राजा निवासी मोहल्ला अथाई, कस्बा व थाना बानपुर, चिट्टू निवासी ललितपुर रोड, कस्बा बानपुर तथा श्याम दोनोंवे निवासी बौरू दरवाजा, कोतवाली टीकमगढ़ शामिल हैं।

सम्पूर्ण समाधान दिवस में डीएम ने दिए शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। जनसमस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से सोमवार को तहसील बिलग्राम में जिलाधिकारी अनुनय झा की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस आयोजित किया गया। जिलाधिकारी ने फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

समाधान दिवस में जिलाधिकारी ने वृद्धावस्था, विधवा एवं दिव्यांग पेंशन के संबंध में पात्र लाभार्थियों से जानकारी ली। पेंशन से वंचित पात्र लोगों को शीघ्र लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड की भी जानकारी लेते हुए पात्र लोगों के कार्ड बनवाने के लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन शिकायतों का निस्तारण मौके पर संभव है, उन्हें तत्काल निस्तारित किया जाए तथा स्थलीय जांच या विभागीय समन्वय वाले मामलों में निर्धारित समयसीमा के भीतर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने पुलिस विभाग से संबंधित शिकायतें सुनकर अधिकारियों को नियमानुसार एवं समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। वहीं तहसील सवायजपुर में मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस सम्पन्न हुआ। सीडीओ ने जनसामान्य की समस्याएं गंभीरतापूर्वक सुनते हुए प्राप्त शिकायतों के समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं न्यायोचित निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

हरदोई में पत्नी की हत्या का सनसनीखेज मामला, इलाज के बहाने ले जाकर जंगल में गला दबाकर मारने का आरोप

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। पति-पत्नी के रिश्ते को शर्मसार करने वाली सनसनीखेज वारदात हरदोई में सामने आई है। आरोप है कि मारपीट में घायल पत्नी को उसका पति बेहतर इलाज कराने के बहाने अस्पताल से अपने साथ ले गया और फिर भाई के साथ मिलकर मंगोलापुर के जंगल में उसकी हत्या कर दी। महिला के शरीर पर 14 गंभीर चोटों के निशान मिले हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या किए जाने की पुष्टि हुई है। पुलिस ने आरोपी पति सत्यपाल यादव और उसके भाई सत्यप्रकाश को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है।

मृतका 36 वर्षीय कोमल लखनऊ के नाका कोतवाली क्षेत्र के बिरहाना की रहने वाली थी। करीब 17 वर्ष पहले उसकी शादी हरदोई के देहात कोतवाली क्षेत्र के कनेहटा गांव निवासी सत्यपाल यादव से हुई थी। दंपती के चार बच्चे हैं। पुलिस और परिजनों के अनुसार, पिछले कुछ समय से दोनों के बीच संबंध ठीक नहीं चल रहे थे। आरोप है कि सत्यपाल का अपने बड़े भाई की साली से संबंध था और वह उसे अपने घर में रखने लगा था। इसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच विवाद बढ़ता गया। परेशान होकर कोमल अपने सबसे छोटे बच्चे के साथ संडीला चली गई थी, जहां वह प्लाईवुड फैक्टरी में काम करती थी। वह समय-समय पर अपने अन्य बच्चों से मिलने कनेहटा आती थी।

बताया गया कि बृहस्पतिवार शाम कोमल अपने बड़े बेटे के बुलाने पर लालपालपुर चौराहे पहुंची थी। बेटे ने उसे कपड़े खरीदने के लिए बुलाया था। इसी दौरान वहां उसकी मुलाकात पति सत्यपाल से हो गई। दोनों के बीच कहासुनी होने लगी। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर सत्यपाल ने कोमल को सड़क पर गिराकर

लात-घूंसों से बेरहमी से पीटा। मारपीट में वह गंभीर रूप से घायल हो गई। चौराहे पर मौजूद लोगों ने बीच-बचाव कर महिला को बचाया और इलाज के लिए सौ शैय्या अस्पताल में भर्ती कराया।

अस्पताल में कोमल का इलाज चल रहा था। आरोप है कि देर रात सत्यपाल अपने भाई सत्यप्रकाश के साथ अस्पताल पहुंचा और बेहतर इलाज कराने की बात कहकर कोमल को अपने साथ ले गया। पुलिस के मुताबिक, इसके बाद दोनों उसे अस्पताल ले जाने के बजाय मंगोलापुर के जंगल की ओर ले गए। सुनसान स्थान पर महिला के साथ मारपीट की गई और उसके शरीर पर धारदार या भारी वस्तु से चोट पहुंचाए जाने की आशंका है। पोस्टमार्टम में उसके शरीर पर 14 चोटों के निशान मिले। इसके बाद गला दबाकर

मृतका कोमल

उसकी हत्या किए जाने की पुष्टि हुई। वारदात के बाद शव को जंगल की झाड़ियों में छोड़कर दोनों के फरार होने का आरोप है। शनिवार सुबह मंगोलापुर के जंगल से गुजर रहे चौकीदार ने झाड़ियों में महिला का शव पड़ा देखा। सूचना मिलते ही क्षेत्राधिकारी नगर अजीत चौहान, देहात कोतवाली पुलिस और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए। जांच के दौरान शव की पहचान कोमल के रूप में हुई।

की जायेगी कार्रवाई

पुलिस ने अस्पताल में भर्ती होने से लेकर वहां से ले जाए जाने तक के घटनाक्रम की कड़ियां जोड़नी शुरू कीं तो संदेह पति और उसके भाई पर गया। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। हत्या की वजह, वारदात में दोनों की भूमिका और घटना में इस्तेमाल किए गए हथियार समेत अन्य पहलुओं की जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में गला दबाकर हत्या की पुष्टि और शरीर पर मिले 14 चोटों के निशान ने घटना को और गंभीर बना दिया है। पुलिस का कहना है कि जांच में सामने आए तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

हरदोई में आरक्षी भर्ती की डीवी/पीएसटी प्रक्रिया का एसपी ने किया निरीक्षण

वेब वार्ता, हरदोई

उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा आयोजित आरक्षी नागरिक पुलिस पदों पर सीधी भर्ती-2026 के अंतर्गत जनपद हरदोई में दस्तावेज सत्यापन (डीवी) एवं शारीरिक मानक परीक्षण (पीएसटी) की प्रक्रिया जारी है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक हरदोई एवं अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी ने डीवी/पीएसटी स्थल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने अभ्यर्थियों के दस्तावेज सत्यापन, शारीरिक मानकों के परीक्षण तथा प्रक्रिया से जुड़ी अन्य व्यवस्थाओं को देखा। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों से प्रक्रिया की प्रगति की जानकारी लेते हुए भर्ती प्रक्रिया को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता और निर्धारित मानकों के अनुरूप संपन्न कराने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने कहा कि अभ्यर्थियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। साथ ही पूरी प्रक्रिया के दौरान अनुशासन एवं निर्धारित नियमों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए।

मंशानाथ मंदिर पहुंचे डीएम व एसपी किया जलाभिषेक

वेब वार्ता, लक्ष्मीकान्त पाठक

हरदोई। सावन माह एवं महाशिवरात्रि पर्व को सकुशल एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन द्वारा सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। इसी क्रम में सोमवार को जिलाधिकारी अनुनय झा एवं पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने थाना बिलग्राम क्षेत्र स्थित मंशानाथ मंदिर पहुंचकर सुरक्षा एवं अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मंदिर पहुंचकर डीएम एवं एसपी ने भगवान शिव का विधि-विधान से

जलाभिषेक कर पूजा-अर्चना की तथा जनपदवासियों की सुख-समृद्धि, शांति एवं खुशहाली की कामना की। इसके बाद अधिकारियों ने मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण करते हुए श्रद्धालुओं की भीड़, आवागमन और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। डीएम-एसपी ने ड्यूटी पर तैनात पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों-कर्मचारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने

कहा कि पर्व के दौरान श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो और भीड़ को व्यवस्थित रखने के साथ यातायात व्यवस्था सुचारु बनाए रखी जाए। संदिग्ध गतिविधियों पर विशेष नजर रखने तथा किसी भी अप्रिय स्थिति की सूचना मिलने पर तत्काल प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश भी दिए गए। अधिकारियों ने ड्यूटी में लगे सभी कर्मचारियों को पूरी मुस्तैदी एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने के निर्देश दिए।

काफिला रुका, दोस्ती ने खींचा अपने पास

कानपुर। सत्ता और सियासत की व्यस्तता के बीच दोस्ती का एक ऐसा दृश्य सामने आया, जिसने कुछ पल के लिए राजनीतिक तामझाम को पीछे छोड़ दिया। भाजपा की तिरंगा यात्रा के बाद लखनऊ लौट रहे उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने रतनलाल नगर में अचानक अपना काफिला रुकवा दिया। सड़क किनारे नारियल का ठेला लगाए एक शख्स पर उनकी नजर पड़ी तो वे सीधे उसके पास पहुंच गए। वह कोई आम परिचित नहीं, बल्कि उनके बचपन के दोस्त भरत तिवारी थे।

महत्वपूर्ण ख़बर

ईरान को पता था ट्रम्प तुर्किए में कहां रुके: फ्लोर तक की जानकारी

■ वॉशिंगटन। तुर्किये में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की सुरक्षा को लेकर एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सम्मेलन के दौरान ईरानी एजेंटों को अमेरिकी राष्ट्रपति के ठहरने की सटीक जगह और यहां तक कि उनके फ्लोर तक की पूरी जानकारी मिल गई थी। अमेरिकी खुफिया तंत्र ने इसे राष्ट्रपति की सुरक्षा के लिए एक अत्यंत गंभीर खतरा माना, जिसके बाद सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत उनका यात्रा कार्यक्रम बदलते हुए उन्हें एक गुप्त ऑपरेशन के तहत दूसरे विमान से सुरक्षित रवाना किया। खुद राष्ट्रपति ट्रम्प ने भी 11 अगस्त को इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि जिस विमान से वे तुर्किये पहुंचे थे, उस पर हमले का सबसे ज्यादा खतरा था।

कीमोथेरेपी की दवाओं को ट्यूमर तक पहुंचाया जा सकेगा और अधिक मात्रा में: शोध

■ टेक्सास। शोधकताओं ने एक ऐसी तकनीक खोजी है, जिससे शरीर में मौजूद आंतों के बैक्टीरिया यानी गट माइक्रोबायोम में बदलाव कर कीमोथेरेपी की दवाओं को ट्यूमर तक अधिक मात्रा में पहुंचाया जा सकता है। यह कारनामा किया है अमेरिका के यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्सास एमडी एंडरसन कैंसर सेंटर के वैज्ञानिकों ने। दरअसल, आजकल कई तरह के कैंसर के इलाज में नैनोपार्टिकल-आधारित कीमोथेरेपी का इस्तेमाल किया जाता है, जिसमें दवा को बेहद छोटे कणों में पैक करके शरीर में भेजा जाता है ताकि वह सीधे ट्यूमर तक पहुंच सके।

उप्र-दिल्ली सहित 15 राज्यों में मूसलाधार बारिश की चेतावनी

पहाड़ों पर हो सकती है आफत की बारिश : तेज हवाएं बढ़ाएंगी मुसीबत

नई दिल्ली। इस समय समूचा उत्तर भारत सावन की रिमझिम तो कहीं मूसला धार बारिश से सरावोर है। मौसम विभाग ने कम से कम 15 राज्यों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है।

मौसम विभाग ने बताया है कि बारिश के दौरान 60 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं इसके साथ ही पहाड़ी राज्यों में भूस्खलन की चेतावनी जारी की गई है। पहाड़ों पर घूमने जाने वालों को चेतावनी दी गई है। इसके साथ ही मछुआरों को गहरे समंदर में ना जाने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ समेत ज्यादातर जिलों में मूसलाधार बारिश का अलर्ट जारी किया है। आगरा, कानपुर, गोंडा, अयोध्या, बाराबंकी, प्रतापगढ़, जौनपुर, मेरठ, अलीगढ़, मुरादाबाद, शाहजहांपुर, सीतापुर, बहराइच, मुजफ्फरनगर, बरेली, मथुरा, बिनौर, बस्ती , लखीमपुर खीरी, मिजार्पुर, सोनभद्र, देवरिया, बलिया और वाराणसी में तेज हवाओं के साथ बारिश की संभावना है। बिहार की बात करें तो राजधानी पटना के अलावा नालंदा, औरंगाबाद, जमुई, कैमूर, जहानाबाद, कटिहार, अररिया, लखीसराय, मुंगेर, समस्तीपुर, मधुबिनी पूर्णिया में तूफानी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। राजधानी दिल्ली में भी 17 अगस्त को भारी बारिश हो सकती है। बारिश के चलते जलजमाव की समस्या हो सकती है। मौसम विभाग ने कहा है कि 50 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। राजधानी के अधिकतम तापमान 34 डिग्री के आसपास रह सकता है।

पहाड़ी राज्यों में इन दिनों भारी बारिश के साथ ही बादल फटने की घटनाएं बढ़ गई हैं। ऐसे में बाढ़ का खतरा बना हुआ है। असम, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश की नदियां उफान पर हैं। हिमाचल प्रदेश के मंडी, सोलन, बिलासपुर, चंबा, कांगड़ा, सिरमौर, हमीरपुर और किन्नौर में 17 अगस्त को बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। उत्तराखंड के अल्मोड़ा, पौड़ी गढ़वाल, बागेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, पिथौरागढ़. टिहरी गढ़वाल, चंपावत और उत्तरकाशी में भारी बारिश का अलर्ट है।

कई राज्यों में झमाझम बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक राजधानी दिल्ली, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, गुजरात, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर, झारखंड और असम में भारी बारिश का अनुमान है। इन राज्यों में बिजली गिरने की भी संभावना है।

राजस्थान में भारी बारिश

राजस्थान के भरतपु, अजमेर, चुरू, भीलवाड़ा, फलौदी, अलवर और चित्तौड़गढ़ में भारी बारिश हो सकती है। इसके साथ ही जैसलमेर और भीलवाड़ा में मध्यम से भारी बारिश की संभावना है। 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं भी चल सकती हैं। अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रहने की संभावना है।मध्य प्रदेश में जबलपुर, नर्मदापुरम, विदिशा, शहडोल, रायसेन, विदिशा, सिंगरौली, दमोह पन्ना, सिवनी, छतरपुर, रीवा, और नीमच में तेज हवाओं के साथ बारिश हो सकती है।

राजस्थान में बनेगी ड्रोन क्रांति की नई गाथा: पैसेंजर और एंटी-ड्रोन तकनीक का स्वदेशी केंद्र

नई दिल्ली। राजस्थान जल्द ही यात्रियों को ले जाने वाले पैसेंजर ड्रोन के निर्माण में अग्रणी बनेगा है, जिसकी शुरूआत जोधपुर से होगी। यहां एक अत्याधुनिक लैब तैयार हो रही है, जो इन ड्रोन की डिजाइनिंग और टेस्टिंग का केंद्र बनेगी। ऋगवामिनिकी नामक कंपनी महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट को लीड कर रही है, जो बीते डेढ़ साल से पूरी तरह स्वदेशी एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी पर सफलतापूर्वक काम कर रही है।

कंपनी के सीईओ जितेश त्रिवेदी ने बताया कि राइजिंग राजस्थान समिट के तहत फरवरी 2026 में राज्य सरकार के साथ उनका एमओयू हुआ है। इसके तहत जोधपुर में एक विशाल ड्रोन मैन्युफैक्चरिंग हब स्थापित होगा, जिसके लिए नागौर रोडद पर नेतड़ा और पाली रोड पर जमीन देखी गई है। यह हब पूरी तरह स्वदेशी ड्रोन तैयार करेगा, और उनके पुर्जों के लिए छोटी मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स भी स्थापित होंगी, जिससे लोकल स्तर पर रोजगार बढ़ेगा। इन यूनिट्स में काम करने वालों को विशेष प्रशिक्षण मिलेगा।

कंपनी की टीम ने हाल ही में 15-20 किलोग्राम वजन उठाने वाला हैवी वेट लिफ्टिंग ड्रोन तैयार किया है, जिसका उपयोग मेडिकल इमरजेंसी, इंडस्ट्री और डिलीवरी में हो सकेगा। अब सितंबर या अक्टूबर से 150-200 किलोग्राम क्षमता वाले पैसेंजर ड्रोन पर काम शुरू होगा, जो इंसानों को हवा में ले जा सकेगा। इसकी डिजाइन तैयार है और अगले छह महीनों में यह बनकर तैयार होने की उम्मीद है।

इसके अतिरिक्त, कंपनी एंटी-ड्रोन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ हाई एल्टीट्यूड लॉन्ग एंड्योरेंस (एचएएलई) ड्रोन पर काम कर रही है। ये एचएएलई ड्रोन इतनी ऊंचाई पर उड़ने वाले हैं कि बादलों में छिपे रहने और नीचे से दिखाई नहीं देने वाले है। जहां सामान्य ड्रोन की रेंज 5 किलोमीटर होती है, वहीं यह टीम 500 किलोमीटर की रेंज और 1500 मीटर की ऊंचाई तक उड़ने वाले ड्रोन प्रोजेक्ट पर काम कर रही है।

जोधपुर में देश की पहली एआई ड्रोन लैबोरेट्री स्थापित हो रही है, जहां युवाओं को ड्रोन डिजाइन और डेवलपमेंट सिखाया जाएगा। कंपनी ने एक एआई-आधारित ड्रोन कैलकुलेटर टूल भी तैयार किया है। यह टूल यूजर को ड्रोन के प्रकार, मोटर और प्रोपेलर जैसे विकल्प चुनने पर तुरंत आवश्यक पार्ट्स की जानकारी देगा और बताएगा कि ड्रोन उड़ पाएगा या नहीं। कंपनी की वेबसाइट पर दुनिया भर के 1000 से अधिक ड्रोनों का लाइव डेटा भी मुफ्त में उपलब्ध है, जहां से उनकी डिजाइन और तकनीक के बारे में जानकारी ली जा सकती है। इस परियोजना के तहत राजस्थान के स्कूलों और कॉलेजों के छात्रों को ड्रोन बनाने और उनकी फ्लाइंग की ट्रेनिंग दी जा रही है। शिक्षकों के लिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम भी चलाए जा रहे हैं, ताकि वे स्वयं इस तकनीक को सीखकर छात्रों को प्रशिक्षित कर सकें।

होटल में सो रहे 7 यात्रियों की जलकर मौत

बीरभूम। पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले के तारापीठ में सोमवार तड़के चार मंजिला होटल में भीषण आग लगने से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। हादसा सुबह करीब पांच बजे हुआ, जब होटल में ठहरे ज्यादातर लोग सो रहे थे। शुरूआती जानकारी में मृतकों की संख्या पांच बताई गई थी, लेकिन बाद में पुलिस ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की। हादसे में कई लोग घायल हुए हैं, जिन्हें रामपुरहाट सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया गया कि आग होटल के भूतल स्थित रिसेप्शन से शुरू हुई और देखते ही देखते ऊपरी मंजिलों तक फैल गई। रिसेप्शन में फाइबर का इंटीरियर होने के कारण आग तेजी से फैलने की बात सामने आई है। आग और धुएं के कारण होटल के अंदर अफरातफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, अचानक पूरे होटल में काला धुआं भर गया, जिसके बाद लोग जान बचाने के लिए बाहर निकलने लगे।

सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां और पुलिस मौके पर पहुंची। घना धुआं होने के कारण शुरूआती दौर में राहत एवं बचाव दल को अंदर जाने में मुश्किल हुई। दमकल कर्मियों ने काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया और होटल में फंसे लोगों को बाहर निकाला। होटल तारापीठ पुलिस स्टेशन के पास स्थित बताया जा रहा है। श्रावण महीने में तारापीठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं, ऐसे में होटल में भी काफी लोगों के ठहरने की जानकारी है। होटल मालिक ने आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई है, लेकिन पुलिस और प्रशासन की ओर से फिलहाल इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। आग के वास्तविक कारण और सुरक्षा व्यवस्था की जांच की जा रही है। मृतकों की पहचान का काम भी जारी है।

समान नागरिक संहिता

उत्तराखंड से गुजरात तक, जानिए राज्यों में क्या है स्थिति

नई दिल्ली। देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर व्यापक चर्चा हो रही है, जिसका उल्लेख संविधान के नीति निदेशक तत्वों के अनुच्छेद 44 में है। स्वतंत्रता के 79 साल बाद यह देखना दिलचस्प है कि क्या सभी राज्यों में एक समान कानून लागू हो सका है। विभिन्न राज्य लागू करने या उसकी तैयारी में हैं, जबकि कुछ में अभी भी इस पर राजनीतिक बहस जारी है।

दरअसल उत्तराखंड यूसीसी लागू करने वाला देश का पहला राज्य बना है। यहां विवाह, तलाक, उत्तराधिकार, संपत्ति और पारिवारिक मामलों में सभी नागरिकों के लिए समान कानूनी व्यवस्था सुनिश्चित की है, हालांकि संविधान के प्रावधानों के अनुसार अनुसूचित जनजातियों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है। उत्तराखंड के प्रावधानों में सभी विवाहों का अनिवार्य पंजीकरण, लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीकरण, बहुविवाह पर रोक और एक समान नागरिक व्यवस्था शामिल है, जिससे महिलाओं और बच्चों के अधिकारों को अधिक सुरक्षा मिलेगी।

वहीं गोवा में भारत का सबसे पुराना कॉमन सिविल कोड, पुर्तगाली शासन के दौरान लागू पुर्तगाल सिविल कोड, 1867 का संशोधित रूप पहले ही प्रभावी है। यह अधिकांश नागरिकों के लिए समान सिविल कानून प्रदान करता है, जिसमें विवाह और संपत्ति के समान नियम तथा पति-पत्नी की संयुक्त संपत्ति की व्यवस्था प्रमुख है, हालांकि कुछ धार्मिक समुदायों को विशेष परिस्थितियों में छूट भी मिली है।

उत्तराखंड और गोवा के बाद, गुजरात और मध्य प्रदेश ने भी यूसीसी की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। दोनों राज्यों की विधानसभाओं ने संबंधित विधेयक पारित किए हैं, लेकिन इन्हें अभी लागू करना बाकी है। गुजरात सरकार नियमों, प्रशासनिक ढांचे और डिजिटल व्यवस्था को अंतिम रूप दे रही है, जबकि मध्य प्रदेश में विधेयक को राज्यपाल की मंजूरी और अन्य संवैधानिक प्रक्रियाओं से गुजरना होगा। इन राज्यों में भी विवाह, तलाक और उत्तराधिकार के लिए समान नियमों का प्रस्ताव है। राजस्थान सरकार यूसीसी का प्रारंभिक ड्राफ्ट तैयार कर चुकी है और विधानसभा में विधेयक लाने की तैयारी में है। इसमें सभी विवाहों का अनिवार्य पंजीकरण और लिव-इन रिलेशनशिप से जुड़े कानूनी प्रावधानों पर विचार हो रहा है।

आखिर चीन में ही बार-बार क्या आ रहे है समुद्री तूफान

बीजिंग। डॉल्फिन टाइफून ने चीन के कई तटीय इलाकों में भारी तबाही मचाई है। टाइफून के कारण मूसलाधार बारिश, तेज हवाओं और बाढ़ से लाखों लोग प्रभावित हुए हैं। इतना ही नहीं, हजारों उड़ानों और परिवहन सेवाओं पर असर पड़ा है। दो महीने में चीन में मेसाक, बावी, नोल और अब डॉल्फिन सहित चार बड़े टाइफून दस्तक दे चुके हैं। लगातार आ रहे चक्रवातों ने यह सवाल फिर खड़ा कर दिया है कि आखिर चीन ही बार-बार इन समुद्री तूफानों का सबसे बड़ा निशाना क्यों बनता है। विशेषज्ञों के अनुसार, चीन का पूर्वी और दक्षिणी तटीय क्षेत्र सीधे पश्चिमी प्रशांत महासागर और दक्षिण चीन सागर से जुड़ा हुआ है। यही क्षेत्र दुनिया में सबसे अधिक टाइफून उत्पन्न करने वाले क्षेत्रों में गिना जाता है। अधिकांश टाइफून फिलीपींस के पूर्वी समुद्री इलाके में विकसित होते हैं। वैश्विक मौसम एजेंसियों के अनुसार, इस क्षेत्र में हर वर्ष औसतन 25 से 30 टाइफून बनते हैं। इसके बाद पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र की सबट्रॉपिकल हाई प्रेशर बेल्ट और प्रचलित हवाएं इन्हें पश्चिम तथा उत्तर-

पश्चिम दिशा की ओर धकेलती हैं। इस प्राकृतिक मार्ग में सबसे पहले फिलीपींस, फिर ताइवान और उसके बाद चीन का पूर्वी तट आता है, जिससे चीन बार-बार इन तूफानों की चपेट में आ जाता है।

चीन की लंबी समुद्री तटरेखा और तटीय इलाकों में बसे प्रमुख आर्थिक केंद्र भी जोखिम को बढ़ाते हैं। ग्वांगडोंग, फुजियान, झेजियांग, हैनान और शंघाई जैसे महत्वपूर्ण शहर समुद्र के किनारे स्थित हैं। ऐसे में जब कोई शक्तिशाली टाइफून तट से टकराता है तो भारी वर्षा, समुद्री लहरों का उफान, बाढ़ और भूस्खलन जैसी घटनाएं व्यापक नुकसान पहुंचाती हैं। कृषि, उद्योग, परिवहन, बिजली और संचार सेवाएं भी गंभीर रूप से प्रभावित होती हैं। वैज्ञानिकों का मानना है कि वैश्विक तापमान में वृद्धि के कारण समुद्र का पानी लगातार गर्म हो रहा है, जिससे टाइफून को अधिक ऊर्जा मिलती है। हालांकि अभी यह स्पष्ट रूप से सिद्ध नहीं हुआ है कि जलवायु परिवर्तन टाइफूनों की संख्या बढ़ा रहा है, लेकिन इस बात पर व्यापक सहमति है कि गर्म समुद्र इनके अधिक शक्तिशाली बनने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि समुद्र के बढ़ते तापमान और तटीय क्षेत्रों में तेजी से हो रहे शहरीकरण को देखते हुए भविष्य में चीन को और भी अधिक तीव्र तथा विनाशकारी टाइफूनों का सामना करना पड़ सकता है।

मालूम हो कि टाइफून मूल रूप से समुद्र में बनने वाला उष्णकटिबंधीय चक्रवात होता है। इसके केंद्र में वायुदाब बहुत कम होता है, जबकि इसके चारों ओर अत्यधिक तेज गति से हवाएं घूमती हैं। ऐसे तूफानों का निर्माण तब होता है जब समुद्र की सतह का तापमान लगभग 26.5 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक हो जाता है। अलग-अलग महासागरों में बनने वाले इन चक्रवातों के नाम अलग होते हैं। पश्चिमी प्रशांत महासागर में बनने वाले चक्रवातों को टाइफून, अटलांटिक और पूर्वी प्रशांत महासागर में बनने वालों को हरिकेन तथा हिंद महासागर, अरब सागर और बंगाल की खाड़ी में बनने वाले चक्रवातों को साइक्लोन कहा जाता है।

रूस में ब्लैक विडो नाम से जानी जाने वाली महिलाओं का आतंक

सेंट पीटर्सबर्ग। युद्धग्रस्त देश रुस के राष्ट्रपति पुतिन के सैनिकों की पत्नियां ही अब ब्लैक विडो बन चुकी हैं, जो जंग में मारे गए सैनिकों के मुआवजे पर गिद्धों की तरह नजर गड़ाए बैठी हैं। यह महिलाओं का एक शातिर गैंग सक्रिय है, जिसे सुनकर दुश्मन भी कांप उठेंगे। रूस में इन दिनों ब्लैक विडो नाम से जानी जाने वाली महिलाओं का आतंक है। ये महिलाएं बेहद शातिर तरीके से जंग के मैदान से अपना दूल्हा चुनती हैं, उनसे शादी करती हैं, और इसके बाद ब्लड मनी का खेल शुरू होता है। यह एक संगठित गिरोह है जो जंग में जाने वाले या अस्पताल में भर्ती जख्मी सैनिकों को फंसाकर उनसे फर्जी शादी रचाती हैं। जैसे ही सैनिक देश के लिए जान दे देते हैं, ये ब्लैक विडो महिलाएं रूस सरकार से मिलने वाले मुआवजे के करोड़ों रुपये डकार जाती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक, यह पूरा फ्रॉड रूस सरकार की उस नीति का फायदा उठाकर खेला जा रहा है, जिसके तहत जंग में मारे गए सैनिक के परिवार को कम से कम 50 लाख रूबल, यानी लगभग 54-55 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाता है। इसी ब्लड मनी पर गिद्ध की तरह नजर टिकाए बैठीं ये ब्लैक विडो अकेले या कमजोर बैकग्राउंड वाले सैनिकों को निशाना बनाती हैं। जंग पर जाने से ठीक 2 दिन पहले आनन-फानन में शादी रचाई जाती है ताकि कानूनी तौर पर सारा पैसा नई-नवेली पत्नी की जेब में चला जाए और सैनिक का असली परिवार पाई-पाई को तरसता रह जाए। सेंट पीटर्सबर्ग की रहने वाली 37 साल की मारिया भी इस फ्रॉड का शिकार हुई हैं। उनकी कहानी किसी को भी अंदर तक हिला सकती है। मारिया को इस बात की भनक तक नहीं थी कि उनके 59 साल के पिता रूस-यूक्रेन जंग के लिए सेना में भर्ती हो गए हैं। जब मोर्चे से पिता की मौत की खबर आई, तो मारिया के पैरों तले जमीन खिसक गई। लेकिन उन्हें सबसे बड़ा झटका इसके बाद लगा। जब मारिया अपने पिता का डेथ सर्टिफिकेट और मुआवजे का दावा करने पहुंचीं, तो अफसरों ने उन्हें बताया कि उनके पिता तो किसी और के पति थे।

तालिबान सरकार के पांच साल पूरे, अर्थव्यवस्था में हुआ सुधार, महिलाओं की छिनी आजादी

काबुल। तालिबान के काबुल पर कब्जे के पांच साल पूरे हो गए हैं। पांच साल में अफगानिस्तान की तस्वीर पूरी तरह बदल गई है। तालिबान ने पूरे देश पर अपना नियंत्रण मजबूत किया और अर्थव्यवस्था में भी सुधार आया है, लेकिन दूसरी तरफ महिलाओं के अधिकारों पर सख्त पाबंदियां है, प्रेस की आजादी घटी और शारीरिक सजाएं फिर आम हो गई हैं। ह्यूमन राइट्स की रिपोर्ट के मुताबिक अगस्त 2021 से नवंबर 2022 के बीच अदालतों ने कम से कम 18 मामलों में शारीरिक सजा का आदेश दिया गया। इनमें ज्यादातर मामले नैतिक अपराधों से जुड़े थे। दिसंबर 2022 में परवान प्रांत के एक स्टेडियम में भीड़ के सामने 27 लोगों को कोड़े मारे गए। तालिबान से पहले की अफगान सरकारों के दौर में भी शारीरिक सजा मौजूद थी, लेकिन तालिबान के शासन में इसे खुले तौर पर और नियमित रूप से लागू किया जाने लगा है।

बता दें अफगानिस्तान में 15 अगस्त 2021 को तालिबान ने काबुल पर कब्जा कर लिया। कुछ ही घंटों में अफगान सरकार का पतन हो गया। कमर्शियल फ्लाइट्स रद्द हो गईं और हजारों लोग देश छोड़ने के लिए एयरपोर्ट पहुंच गए। तालिबान ने उस समय महिलाओं के अधिकार बनाए रखने और अमेरिका और पिछली अफगान सरकार के साथ काम करने वालों को माफी देने का वादा किया था। प्रवक्ता ने कहा था कि लोगों को अपनी संपत्ति, जान या सम्मान को लेकर खतरा नहीं होगा।

इजराइल चुनाव से पहले नेतन्याहू को आइजेनकोट की बड़ी चुनौती

तेल अवीव। इजराइल में 27 अक्टूबर को होने वाले चुनाव से पहले प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। एक नए सर्वे के मुताबिक, पूर्व सेना प्रमुख गादी आइजेनकोट की विपक्षी पार्टी यशार सबसे बड़ी पार्टी बन सकती है। सर्वे में यशार को 25 सीटें मिलने का अनुमान लगाया गया है, जबकि नेतन्याहू की लिकुड पार्टी 21 सीटों तक सिमट सकती है। इस तरह यशार ने लिकुड पर चार सीटों की बढ़त बनाई है। पिछले कुछ हफ्तों के अधिकांश सर्वे में भी यशार को बढ़त मिलती रही है, हालांकि अंतर बेहद कम था। कई सर्वे में लिकुड बराबरी पर रही या केवल एक-दो सीट पीछे थी। नए आंकड़ों में यह अंतर बढ़कर चार सीट हो गया है। हालांकि सबसे बड़ी पार्टी बनने के बावजूद यशार के लिए सरकार बनाना आसान नहीं होगा। इजराइल की संसद नेसेट में कुल 120 सीटें हैं और बहुमत के लिए 61 सांसदों का समर्थन जरूरी है। सर्वे में नेतन्याहू विरोधी ह्यचेंज ब्लॉकह्ल को 58 सीटें मिलने का अनुमान है, यानी बहुमत से वह केवल तीन सीट दूर है। वहीं नेतन्याहू समर्थक दलों को 50 सीटें मिलने की संभावना है। अरब दलों को कुल 12 सीटें मिलने का अनुमान है। आइजेनकोट की बढ़त के बीच विपक्षी खेमे में प्रधानमंत्री पद को लेकर चर्चा तेज हो गई है। विपक्षी नेता याइर लैपिड की पार्टी बीयाचद ने कहा है कि वह विपक्षी सरकार बनने में बाधा नहीं बनेगी।

लखीसराय के अशोकधाम में भगदड़, 7 की मौत, कई जख्मी

पोल गिरा और करंट की फैली अफवाह से मची भगदड़

लखीसराय। बिहार के लखीसराय में सावन की तीसरी सोमवारी पर अशोक धाम मंदिर में बड़ा हादसा हो गया। भारी भीड़ के बीच भगदड़ मचने से सात कांवरियों की मौत हो गई, जबकि कई श्रद्धालु घायल हुए हैं।

मृतकों में छह महिलाएं शामिल हैं। जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार ने सात मौतों की पुष्टि की है। घायलों का इलाज सदर अस्पताल और मंदिर परिसर में लगाए गए स्वास्थ्य शिविर में कराया जा रहा है। कुछ घायलों को बेहतर इलाज के लिए पटना भेजे जाने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार, सुबह करीब छह बजे के बाद श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ने से मंदिर के बाहर बांस-बल्ले से बनाई गई बैरिकेडिंग टूट गई। इसी दौरान बैरिकेडिंग के पास लगा बिजली का पोल भी गिर गया। पोल गिरने के बाद करंट फैलने की अफवाह तेजी से फैल गई। इससे श्रद्धालुओं में अफरातफरी मच गई और लोग जान बचाने के लिए भागने लगे। भगदड़ में कई

लोग एक-दूसरे के ऊपर गिर गए और कुचलकर घायल हो गए।

मृतकों की पहचान मनमाला देवी (44), रिंकू देवी (50), हेमलता देवी (55), ललिता देवी (45), सोनी देवी (50) और संगीता देवी (40) के रूप में हुई है। सभी मृतक लखीसराय, बड़हिया, मुंगेर और हलसी क्षेत्र के रहने वाले बताए गए हैं। कुछ घायलों की पहचान खुशबू कुमारी, शबनम कुमारी और स्वीटी कुमारी के रूप में हुई है। बताया गया कि आसपास के जिलों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचे थे। इसी दौरान एक साथ दो ट्रेनें पहुंचने से भीड़ और बढ़ गई। अशोक धाम मंदिर से अशोक धाम हॉल्ट तक करीब दो किलोमीटर क्षेत्र में बैरिकेडिंग की गई थी। प्रशासन ने सुरक्षा के लिए जवानों की तैनाती की थी, लेकिन भीड़ के दबाव में व्यवस्था चरमरा गई। अशोक धाम मंदिर में 12 अगस्त 2019 को भी भगदड़ की घटना हो चुकी है। इसके बावजूद मंदिर के बाहर कमजोर बांस-बल्ले की बैरिकेडिंग को लेकर सवाल उठ रहे हैं। स्थानीय लोगों ने व्यवस्था में कमी और प्रशासनिक लापरवाही का आरोप लगाया है। फिलहाल मंदिर परिसर में स्थिति सामान्य बताई जा रही है। श्रद्धालु कतार में जलाभिषेक कर रहे हैं। सुरक्षा बलों की संख्या बढ़ा दी गई है। प्रशासन ने घटना की जांच कराने की बात कही है। फिलहाल राहत और बचाव के साथ मंदिर में व्यवस्था सुचारु रखना प्राथमिकता बताई गई है।

एमपी हाई कोर्ट का नया रोस्टर जारी

क्रिमिनल से टैक्स मामलों तक तय हुआ बेंचवार जिम्मेदारी बंटवारा

इंदौर। हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में 17 अगस्त से नया रोस्टर प्रभावी हो जाएगा। एक्टिंग चीफ जस्टिस की मंजूरी के बाद जारी नोटिफिकेशन में डिवीजन और सिंगल बेंच के लिए मामलों का नया आवंटन किया गया है। यह व्यवस्था अगले आदेश तक लागू रहेगी। इसके साथ 26 जून के रोस्टर सहित इससे पहले जारी सभी संबंधित आदेश प्रतिस्थापित माने जाएंगे।

डिवीजन बेंच-1 को अहम मामलों की जिम्मेदारी

नए रोस्टर के अनुसार डिवीजन बेंच-1 में जस्टिस सुबोध अभ्यंकर और जस्टिस आलोक अवस्थी मामलों की सुनवाई करेंगे। इस बेंच के अधिकार क्षेत्र में रिट अपील, पर्यावरण प्रदूषण से संबंधित ग्रीन बेंच के मामले और जनहित याचिकाएं शामिल हैं। इसके अलावा एमपी कर्मचारी चयन बोर्ड/व्यापमं परीक्षा घोटाले से जुड़े मामले, कानून की वैधता, नेशनल हाईवे निर्माण, सरकारी एवं स्थानीय निकायों के कॉन्ट्रैक्ट टेंडर, माइंस एंड मिनरल्स तथा अवैध हिरासत से संबंधित हेबियस कॉर्पस याचिकाओं की सुनवाई भी इसी बेंच में होगी।

टैक्स और नगर निकाय से जुड़े मामले भी शामिल

डिवीजन बेंच-1 को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम से जुड़े मामलों की जिम्मेदारी भी दी गई है। नगर निगम और नगरपालिकाओं से जुड़े अतिक्रमण हटाने, सार्वजनिक सड़कों पर अवरोध, स्ट्रीट वेंडर्स तथा कमर्शियल कोर्ट के आदेशों से संबंधित मामले भी इसी बेंच के सामने आएंगे। इसके साथ आर्बिट्रेशन कंपनी मामले, टैक्सेशन अपील और संदर्भ, बार काउंसिल व बार एसोसिएशन से जुड़े मामले, क्रिमिनल कंटेम्प्ट, कंटेम्प्ट अपील और फर्स्ट अपील (मैट्रिमोनियल) भी डिवीजन बेंच-1 के क्षेत्र में रहेंगे।

सिंगल बेंच में भी बदला मामलों का बंटवारा

सिंगल बेंच में जस्टिस संदीप एन. भट्ट कोर्ट रूम नंबर 9 में सभी रिट पिटीशन की सुनवाई करेंगे। हालांकि सर्विस मामलों को इससे अलग रखा गया है। उनके पास टैक्स मामलों, सभी मिसलेनियस पिटीशन और रेजिडुअल सिविल मामलों की सुनवाई की जिम्मेदारी भी होगी। जस्टिस विनय सराफ को फर्स्ट और सेकंड अपील, मोटर व्हीकल एक्ट को छोड़कर मिसलेनियस अपील, मिसलेनियस सेकंड अपील और सिविल रिवीजन की जिम्मेदारी मिली है। इसके अलावा कंपनी अपील तथा आर्बिट्रेशन केस और अपील भी उनकी बेंच में सुने जाएंगे।

क्रिमिनल मामलों के लिए अलग-अलग बेंच निर्धारित

क्रिमिनल मामलों के लिए भी अलग बेंच निर्धारित की गई हैं। जस्टिस राजेंद्र कुमार वाणी और जस्टिस गजेंद्र सिंह क्रमशः सिंगल बेंच-क्कक और क्क में एमसीआरसी तथा क्रिमिनल रिट पिटीशन की सुनवाई करेंगे। जस्टिस पवन कुमार द्विवेदी को सर्विस मैटर की रिट पिटीशन, सिविल कंटेम्प्ट और कंपनी पिटीशन की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं जस्टिस जय कुमार पिल्लई क्रिमिनल अपील, क्रिमिनल रिवीजन, मिसलेनियस सिविल केस और मोटर व्हीकल एक्ट से संबंधित मिसलेनियस अपीलों की सुनवाई करेंगे।

बुधवार-गुरुवार को होगी फाइनल हियरिंग

रोस्टर के तहत प्रत्येक कोर्ट के लिए फाइनल हियरिंग मामलों की मासिक सूची जारी की जाएगी। इन मामलों की सुनवाई हर बुधवार और गुरुवार को दोपहर 2.30 बजे से होगी। सूची तैयार करते समय पुराने लंबित मामलों को प्राथमिकता के साथ ऊपर रखा जाएगा। नए रोस्टर में यह भी स्पष्ट किया गया है कि संबंधित बेंच उपलब्ध नहीं होने पर मामलों को निर्धारित वैकल्पिक बेंच के समक्ष सूचीबद्ध किया जाएगा। अत्यधिक जरूरी मामलों के लिए उसी दिन या अगले दो कार्य दिवसों में आउट ऑफ टर्न लिस्टिंग की मांग करते हुए मेंशनिंग की जा सकेगी।

पातालपानी-कालाकुंड की पहाड़ियों का नजारा देख सकेंगे यात्री

एक सप्ताह के अंदर फिर शुरू होगी हेरिटेज ट्रेन

इंदौर। पातालपानी-कालाकुंड के बीच चलने वाली हेरिटेज ट्रेन के लिए अच्छी खबर है। इस ट्रेन के 12 कोच, जिनकी राजस्थान के बीकानेर में मरम्मत की गई थी, रविवार को लक्ष्मीबाई नगर रेलवे स्टेशन पहुंच गए हैं। अब इन्हें पातालपानी पहुंचाया जाएगा। उम्मीद है कि एक सप्ताह के भीतर हेरिटेज ट्रेन यात्रियों को पहाड़ियों की सैर कराने के लिए रवाना होगी।

पश्चिम रेलवे के रतलाम मंडल के डीआरएम अश्विनी कुमार के अनुसार लक्ष्मीबाई नगर स्टेशन से हेरिटेज ट्रेन के कोच को महू होते हुए पातालपानी तक ले जाया जाएगा। इसके बाद क्रेन की मदद से इन्हें ट्रैक पर उतारा जाएगा। इंजन के साथ सभी कोच का अलाइनमेंट किया जाएगा। ट्रायल रन के दौरान रैक, ट्रैक और संचालन से जुड़ी व्यवस्थाओं के साथ सुरक्षा मानकों की जांच की जाएगी। यदि सब कुछ सामान्य रहा तो जल्द ही ट्रेन का संचालन शुरू किया जाएगा।

155 साल पुराना ट्रैक

पातालपानी से कालाकुंड का लगभग 9.5 से 10 किलोमीटर लंबा मीटरगेज रेलवे ट्रैक 155 साल से अधिक पुराना है। इसकी योजना 19वीं सदी में इंदौर रियासत के महाराजा तुकोजी राव होलकर द्वितीय ने बनाई थी। यह ऐतिहासिक लाइन 1878 में होलकर स्टेट रेलवे के तहत पूरी हुई थी। महाराजा ने 1870 में इस रेल लाइन के निर्माण की पहल की थी। बाद में यह खंड राजपूताना-मालवा रेलवे का हिस्सा बन गया था। यह खंड ऐतिहासिक डॉ. अंबेडकर नगर (महू)-खंडवा मीटर गेज मार्ग का एक हिस्सा है। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों के कारण इसे ब्राडगेज में बदलना संभव नहीं था। रेलवे ने 2018 में इस हिस्से को संरक्षित कर हेरिटेज ट्रेन का संचालन शुरू किया। पहली हेरिटेज ट्रेन 25 दिसंबर 2018 को चलाई गई थी।

किराया और कोच

पिछले साल ट्रेन में दो वातानुकूलित चेयरकार सी-1, सी-2 और चार सामान्य चेयरकार डी-1, डी-2, डी-3, डी-4 शामिल थीं। एक तरफ की यात्रा के लिए वातानुकूलित चेयरकार का किराया 265 रुपये और सामान्य चेयरकार का किराया 20 रुपये प्रति टिकट निर्धारित था।

चार सुरंगें और 24 मोड़

पातालपानी से कालाकुंड का ट्रैक रोमांच से भरा है। इसमें चार सुरंगें, करीब 24 मोड़, छह बड़े और 35 छोटे पुल हैं। एक तरफ पहाड़ और घने जंगल हैं, जबकि दूसरी तरफ घाटियां और झरने इस यात्रा को खास बनाते हैं। वर्षा के मौसम में पातालपानी का झरना और आसपास की हरियाली खूबसूरती को और बढ़ा देते हैं।

गत वर्ष 26 जुलाई से 16 नवंबर तक चली थी ट्रेन

पिछले साल हेरिटेज ट्रेन का संचालन 26 जुलाई से 16 नवंबर तक हर शुक्रवार से रविवार तक किया गया था। इस साल कोच की मरम्मत में समय लगने के कारण इसका संचालन देरी से शुरू हो रहा है।

मुरैना के स्कूल से लापता हुई 4 नाबालिग छात्राएं सूरत रेलवे स्टेशन पर मिलीं, जीआरपी की निगरानी में सुरक्षित

मुरैना। मुरैना जिल के जौरा में स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर गढ़ी स्कूल में जाने के लिए घर से निकली चार किशोरियां अचानक लापता हो गईं। दोपहर बाद तक भी किशोरियां अपने घरों तक नहीं पहुंची तो स्वजन ने तलाश की, लेकिन उनका कहीं पता नहीं चला। शाम को इस बात की सूचना जौरा थाना पुलिस को दी गई। पुलिस ने टीमें गठित कर पड़ताल की। इसके बाद रविवार को उनका पता सूरत रेलवे स्टेशन पर मिला, जिस पर जीआरपी पुलिस ने

अपने अपने कब्जे में ले लिया। वहीं किशोरियों को लाने जौरा थाने से टीम सूरत के लिए रवाना कर दी गई है। तीन छात्राएं आपस में रिश्तेदार बताई जा रहीं है। वहीं चौथी एक छात्रा की पड़ोसी है।

छात्राएं अपने घरों से सुबह 8 बजे निकलीं

जानकारी के मुताबिक जौरा क्षेत्र के अलग अलग इलाकों की 10वीं व 11वीं की चार छात्राएं सुबह आठ बजे अपने घरों से निकलीं थी, लेकिन वे स्कूल नहीं पहुंची। किशोरियों के लापता होने पर स्वजन ने पता किया तो चारों रामआसरे माता तक आती दिखाईं दीं थी। जिस पर शाम को पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने किशोरियों की तलाश में सीसीटीवी फुटेज खंगाला शुरू किया।

रात भर चली सर्चिंग के बाद रविवार की दोपहर पता कि किशोरियां गुजरात के सूरत पहुंच चुकी हैं। जहां जीआरपी सूरत की निगरानी में है। जिसके बाद स्वजन ने राहत की सांस ली। अब पुलिस किशोरियों के वापस आने के बाद वह सूरत कैसे पहुंची, इसके बारे में जानकारी जुटाएगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नाग पंचमी पर दी बधाई

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेशवासियों को नाग पंचमी पर्व की हार्दिक बधाई और मंगलकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अपने संदेश में कहा कि यह प्रकृति, जीव-जंतुओं और पर्यावरण के प्रति आस्था, संवेदनशीलता और संरक्षण के संकल्प को और सुदृढ़ करने का पर्व है। नाग देवता का आशीर्वाद सभी नागरिकों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और आरोग्य लेकर आए। प्रदेशवासी सभी पर्व हर्षोल्लास और उत्साहपूर्वक मनाते रहें ईश्वर से यही कामना है।

इंदौर में स्वतंत्रता दिवस पर बांटे लड्डू में निकले कीड़े

इंदौर। स्वतंत्रता दिवस पर बच्चों को बांटे गए लड्डू में कीड़ा निकलने से सोनगुराडिया की माध्यमिक शाला में हड़कंप मच गया। देवगुराडिया के पास स्थित सोनगुराडिया स्कूल में 15 अगस्त को समारोह के दौरान बच्चों को लड्डू बांटे जा रहे थे। इसी दौरान एक बच्चे के लड्डू में कीड़ा मिलने की शिकायत की।

मामले की सूचना ग्रामीणों और स्कूल प्रबंधन ने पुलिस तथा खाद्य सुरक्षा प्रशासन को दी। इसके बाद खाद्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लड्डू के अलग-अलग डिब्बों से सैंपल लिए। वहीं खजराना स्थित दुकान से भी लड्डुओं के सैंपल लेकर जांच के लिए भोपाल भेजे। स्कूल प्रबंधन ने स्वतंत्रता दिवस के लिए ये लड्डू खजराना गणेश मंदिर परिसर स्थित प्रसाद प्वॉइंट से खरीदे थे। 14 अगस्त की शाम करीब 50 किलो लड्डू लिए गए थे और 15 अगस्त की सुबह बच्चों में वितरण किया गया। शिकायत के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने स्कूल में रखे लड्डुओं की जांच की। टीम ने कई लड्डू फोड़कर देखे, हालांकि मौके पर अन्य लड्डुओं में कीड़ा नहीं मिला। इसके बावजूद विभाग ने अलग-अलग डिब्बों से नमूने लिए, ताकि प्रयोगशाला जांच से स्थिति स्पष्ट हो सके। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी मनीष स्वामी ने बताया कि स्कूल और प्रसाद प्वॉइंट दुकान दोनों स्थान से लड्डुओं के नमूने लिए गए हैं। रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। दुकान संचालक राहुल शर्मा का कहना है कि एक दिन पहले लड्डू ले गए थे। दो स्कूलों में वितरण होना था सोनगुराडिया स्कूल के एक लड्डू में इल्ली की शिकायत बताई है। सभी लड्डू फोड़कर देखे किसी में यह समस्या नहीं मिली। रात में हार फूल के नीचे लड्डू रखने से यहां की इल्ली किसी एक लड्डू में चली गई होगी।

दुकान पर भी मिलीं खामियां

स्कूल से सैंपल लेने के बाद टीम खजराना गणेश मंदिर स्थित प्रसाद प्वॉइंट की दुकान पर पहुंची। यहां जांच के दौरान पेस्ट कंट्रोल का प्रमाणपत्र मौके पर उपलब्ध नहीं मिला। दुकान संचालक ने प्रमाणपत्र घर पर होने की बात कही। इसके अलावा संचालक और एक कर्मचारी का मेडिकल प्रमाणपत्र भी प्रस्तुत नहीं किया जा सका। खाद्य कारोबार के लिए जरूरी दस्तावेज उपलब्ध नहीं होने पर विभाग ने प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए जाने तक दुकान का कारोबार बंद करवा दिया।

उमरिया में बारिश का कहरः पुल बहे, घर जमींदोज; खेतों में तबाही से किसानों की टूटी कमर

उमरिया। मानपुर जनपद क्षेत्र में पिछले 24 से 48 घंटे से लगातार हो रही तेज बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। भारी बारिश के कारण नदी-नालों में उफान आ गया है और तेज बहाव से कई पुल-पुलियाएं क्षतिग्रस्त होकर बह गई हैं।

ग्राम कठार के छिंदहा टोला और गड़िया टोला में पुलों को नुकसान पहुंचा है। वहीं ग्राम बिजौरी के पिपरहा टोला में भी बारिश के तेज बहाव में पुल बह गया। इससे ग्रामीणों के सामने आवागमन का संकट खड़ा हो गया है।

लगातार बारिश से कच्चे और कमजोर मकानों के धराशायी होने की भी खबरें सामने आ रही हैं। कठार निवासी रविकांत पटेल का मकान बारिश की मार से जमींदोज हो गया। क्षेत्र के कई अन्य मकानों को भी नुकसान पहुंचने की सूचना है। वहीं अधिकांश पक्के मकानों में भी पानी टपकने से ग्रामीण परेशान हैं।

मेड़ टूटने से मिट्टी और फसल पानी के साथ बह गई

बारिश की सबसे ज्यादा मार किसानों पर पड़ी है। खेतों में पानी भरने और तेज बहाव के कारण कई स्थानों पर खेतों की मेड़ें टूट गईं। मेड़ टूटने से मिट्टी और फसल पानी के साथ बह गई। इससे किसानों की महीनों की मेहनत पलभर में बर्बाद हो गई। खेतों में खड़ी फसल को हुए नुकसान से किसानों के सामने आर्थिक संकट गहराने लगा है।

ग्रामीण बोले-राहत के बजाय आफत बनकर बरसी

ग्रामीणों का कहना है कि बारिश उनके लिए राहत के बजाय आफत बनकर बरसी है। उन्होंने प्रशासन से प्रभावित गांवों का तत्काल सर्वे कराने, क्षतिग्रस्त पुलों और मकानों का आकलन कर राहत एवं मुआवजा दिलाने की मांग की है। साथ ही आवागमन बहाल करने के लिए क्षतिग्रस्त मार्गों और पुलों की तत्काल मरम्मत कराने की मांग की गई है।

उज्जैन में दो दिनों में दस लाख से अधिक भक्तों ने किए भगवान महाकाल के दर्शन

उज्जैन। ज्योतिर्लिंग महाकाल मंदिर में श्रावण मास के तीसरे विकेंड ने श्रद्धालुओं की संख्या का नया रिकार्ड बनाया है। शनिवार को 15 अगस्त यानी राष्ट्रीय पर्व का अवकाश तथा रविवार को साप्ताहिक छुट्टी होने से देशभर से हजारों भक्त भगवान महाकाल के दर्शन करने मंदिर पहुंचे। मंदिर प्रशासन के अनुसार दो दिनों में दस लाख से अधिक भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए।

श्रावण मास में महाकाल के दरबार में आस्था उमड़ रही है। प्रतिदिन देशभर से हजारों श्रद्धालु भगवान महाकाल के दर्शन करने मंदिर पहुंच रहे हैं। मंदिर प्रशासन के अनुसार 15 अगस्त शनिवार को छह लाख 57 हजार 218 भक्तों ने भगवान महाकाल के दर्शन किए।

रविवार को पांच लाख से अधिक भक्त मंदिर पहुंचे। रविवार को अत्यधिक भीड़ होने के कारण दिन में कुछ देर के लिए गेट नं.एक से दर्शनार्थियों का प्रवेश रोकना पड़ा। दर्शनार्थियों को शीघ्र दर्शन के लिए भी दो से तीन घंटे का समय लगा। सोमवार को नागपंची पर भी हजारों भक्तों के मंदिर पहुंचने की संभावना है। नागपंचमी के महासंयोग में आए श्रावण मास के तीसरे सोमवार पर मंदिर प्रशासन ने भगवान महाकाल के दर्शन के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। नागचंद्रेश्वर मंदिर में प्रवेश की व्यवस्था अलग है। सोमवार को जिन भक्तों को भगवान महाकाल के दर्शन करना हैं, उन्हें इन द्वारों से प्रवेश करना होगा। भगवान महाकाल के निशुल्क दर्शन वाले सामान्य श्रद्धालुओं को त्रिवेणी संग्रहालय स्थित त्रिवेणी प्रवेश द्वार से प्रवेश मिलेगा। इसके बाद श्रद्धालु नंदी द्वार, मानसरोवर फैसिलिटी, गणेश मंडप और कार्तिक मंडप होते हुए दर्शन मार्ग पर पहुंचेंगे। दर्शन के बाद एम्बुलेंस गेट से निकासी और पिनाकी द्वार से बाहर जाने की व्यवस्था रहेगी।

रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के सेकंड एसी कोच में कॉकरोचों का आतंक

ग्वालियर। ट्रेन के सेकंड एसी कोच में सफर करने वाले यात्रियों को बेहतर सुविधा और साफ-सफाई की उम्मीद रहती है, लेकिन रतलाम-भिंड एक्सप्रेस के ए-1 कोच में यात्रियों को पूरी रात कॉकरोचों के बीच गुजारनी पड़ी। कोच में जगह-जगह छोटे-छोटे कॉकरोच घूमते रहे। वे बर्थ और यात्रियों के सामान तक पहुंच गए। हद तो तब हो गई, जब एक यात्री के हाथ पर भी कॉकरोच चढ़ गया। इससे यात्री पूरी रात ठीक से सो नहीं सके। घटना 15 अगस्त की रात की है।

रात होते ही कोच में दिखाई देने लगे कॉकरोच

बिरला नगर निवासी रीता तोमर अपने स्वजन के साथ उज्जैन से ग्वालियर की यात्रा कर रही थीं। रात होते ही कोच में कॉकरोच दिखाई देने लगे। सोने के दौरान भी बर्थ और आसपास काकरोच नजर आते रहे। कॉकरोच सिर्फ फर्श तक सीमित नहीं थे। वे बर्थ, बैग और सामान के आसपास भी घूम रहे थे। एक यात्री के हाथ पर भी कॉकरोच चढ़ गया। यात्रियों ने मामले की शिकायत रेल मदद एप पर भी दर्ज कराई।

गौरतलब है कि सेकंड एसी में सफर के लिए यात्री सामान्य श्रेणी की तुलना में अधिक किराया देते हैं। इसके बदले साफ-सुथरा और आरामदायक वातावरण मिलना चाहिए, लेकिन रतलाम इंटरसिटी एक्सप्रेस में कॉकरोचों के आतंक से रेलवे की साफ-सफाई के साथ ही पेस्ट कंट्रोल व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो गए हैं।

उज्जैन के नागचंद्रेश्वर मंदिर में दर्शन के लिए लगी लाइन में करंट की अफवाह से बनी भगदड़ जैसी स्थिति, कई श्रद्धालु घायल

उज्जैन। महाकाल मंदिर के ऊपरी तल पर स्थित श्रीनागचंद्रेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए लगी कतार में सोमवार को हरसिद्धि मंदिर चौराहे के समीप अफरा-तफरी मच गई। बैरिकेडिंग के अंदर डीपी के समीप करंट फैलने की अफवाह के बाद दर्शन के लिए कतार में खड़े लोगों में भगदड़ जैसी स्थिति बन गई। इस दौरान कुछ श्रद्धालु घायल हो गए। घटना के बाद घायलों को उपचार के लिए चरक अस्पताल ले जाया गया।

घायलों में हिंदू बाई निवासी ढांचा भवन उज्जैन, सागर पुत्र मनीष उम्र 19 वर्ष निवासी किशनपुरा उज्जैन, लक्ष्मीबाई निवासी ढांचा भवन

उज्जैन, अनसूया व उसकी मां ममता दोनों निवासी गंजबासौदा, हरिश्चंद्र निवासी ग्राम सिलवासा, वापी गुजरात, सोनम उम्र 18 वर्ष निवासी ग्वालियर, सुजीत कुमार निवासी दरभंगा बिहार, खुशी निवासी ग्वालियर तथा तुलसी व उसकी मां रेखा बाई दोनों निवासी वलसाड गुजरात शामिल हैं।

पैरों में गंभी चोट आई

भगदड़ के दौरान बेरिकेड्स से टकराने के कारण हरिश्चंद्र के पैरों में गंभीर चोट आई है। सभी घायलों का चरक अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। घटना के बाद कुछ समय के लिए दर्शन व्यवस्था प्रभावित हुई। मौके पर मौजूद पुलिस और प्रशासनिक अमले ने स्थिति को संभाला।

मध्यप्रदेश को देश के प्रमुख औद्योगिक केंद्र के रूप में स्थापित करना हमारा लक्ष्यः मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव राष्ट्रीय औद्योगिक कॉरीडोर विकास एवं क्रियान्वयन ट्रस्ट की तीसरी अपेक्स मॉनिटरिंग अथॉरिटी बैठक में भाग लेने के लिए आज प्रातः विमान से नई दिल्ली रवाना हुए। केंद्रीय वित्त मंत्री श्रीमती निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में यह बैठक आज सोमवार को नई दिल्ली के होटल अशोका में होगी। बैठक में केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल, केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी, केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जल मार्ग मंत्री श्री सबार्नद सोनोवाल, नीति आयोग के पदाधिकारी और विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल होंगे।

महत्वपूर्ण ख़बर

नकवी पाक सरकार में मंत्री नहीं होते तो भारतीय टीम ट्रॉफी ले लेती

■ नई दिल्ली। अगर आप मानसिक तौर पर मजबूत, अनुशासित और कुछ करने का जज्बा रखते हैं तो जिंदगी आपको जीरो से हीरो बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ती। कुछ ऐसा ही हो रहा है भारत के नए नंबर-3 बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल के साथ। 2024 के ऑस्ट्रेलिया दौरे में गए देवदत्त पर्थ में दोनों पारियों में फेल हो गए जिसके बाद उनको ड्रॉप कर दिया गया। भारतीय टीम से बाहर होने के बाद देवदत्त परेशान हुए लेकिन उन्होंने खुद से वापसी का वादा किया। एक नई शुरूआत के लिए अपने बचपन के कोच मोहम्मद नसीरुद्दीन के पास वापस गए और लगभग दो साल बाद गाल में श्रीलंका के विरुद्ध 167 रनों की पारी खेलकर खुद को नंबर-3 बल्लेबाज के तौर पर स्थापित कर लिया।

बांग्लादेश टीम का बड़ा उलटफेर, कंगारू टीम को 9 विकेट से हराकर रच दिया इतिहास

नई दिल्ली। बांग्लादेश क्रिकेट टीम ने बड़ा उलटफेर किया है। डार्विन के मरारा स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में बांग्लादेश ने 9 विकेट से जीत हासिल की। बांग्लादेश की जीत इसलिए ऐतिहासिक है क्योंकि उसने पहले कभी ऑस्ट्रेलिया को उसके घर में नहीं हराया था। चौथी पारी में मैच जीतने के लिए बांग्लादेश को महज 57 रनों का टारगेट मिला था।

इस मुकाबले में बांग्लादेश ने शुरूआत से ही ऑस्ट्रेलिया पर दबाव बनाए रखा। सबसे पहले कंगारू पारी को 198 रनों पर ढेर कर दिया। तेज गेंदबाद हसन महमूद ने पंजा खोलते हुए 6 विकेट अपने नाम किए। पहली पारी में ऑस्ट्रेलिया की ओर से अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने 71 रनों की पारी खेली, इसके अलावा कोई भी कंगारू बल्लेबाज क्रीज पर ज्यादा देर नहीं टिक सका।

बांग्लादेश को मिली बड़ी बढ़त

पहली पारी में शानदार गेंदबाजी के बाद बांग्ला टीम ने बेहतरीन बल्लेबाजी का नजारा पेश किया और स्कोर बोर्ड पर 426 रन लगा दिए। ओपनर बल्लेबाज तंजीद हसन तमीम ने 101 रनों की शानदार पारी खेली। इसके अलावा कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने 84 रन और हरफनमौला खिलाड़ी मेहंदी हसन मिराज ने 65 रनों की पारी खेलकर टीम को बड़े लक्ष्य का मंच प्रदान किया। पहली पारी के आधार पर बांग्लादेश को 228 रनों की बड़ी बढ़त हासिल हुई। ऑस्ट्रेलिया की ओर से सबसे ज्यादा जोश हेजलवुड ने 6 विकेट अपने नाम किए। साथी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क के खाते में दो विकेट आए। कप्तान पैट कमिंस और दिग्गज स्पिनर नाथन लियोन को एक-एक विकेट मिला।

कैमरन ग्रीन ने ठोका शतक

दूसरी पारी में भी कंगारू बल्लेबाज बांग्लादेशी गेंदबाजों के सामने संघर्ष करते नजर आए और 284 रन ही बना सके, जिसके आधार पर बांग्लादेश को जीतने के लिए केवल 57 रनों का लक्ष्य मिला। दूसरी पारी में हरफनमौला कैमरन ग्रीन ने शानदार शतकीय पारी खेली और 104 रन बनाए। चौथे नंबर पर खेलने उतरे पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ 44 ने उनका बेहतरीन साथ निभाया।

मिराज ने झटके पांच विकेट

इन दोनों खिलाड़ियों के पवेलियन लौटने पर कंगारू पारी को सिमटने में ज्यादा समय नहीं लगा। दूसरी पारी में स्पिनर मेहंदी हसन मिराज की फिरकी का जादू चला और उन्होंने पांच विकेट अपने नाम किए। हसन महमूद ने दूसरी पारी में भी तीन विकेट अपने नाम किए। जीत के लिए मिले 57 रनों के लक्ष्य को बांग्लादेश ने एक विकेट खोकर आसानी से हासिल कर लिया।

काव्या मारन की टीम हुई फेल, ट्रेंट रॉकेट्स ने जीता खिताब

नई दिल्ली। काव्या मारन की मालिकाना हक वाली सनराइजर्स लीड्स द हंड्रेड विमंस का खिताब अपने नाम नहीं कर सकी। लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल में ट्रेंट रॉकेट्स की टीम ने उसे आसानी से आठ विकेट से हरा दिया। रॉकेट्स की मेंस टीम फाइनल नहीं जीत पाई और इसकी कसर को कहीं न कहीं विमंस टीम ने कम कर दिया। सनराइजर्स की बल्लेबाजी बुरी तरह से फेल रही। ये टीम महज 91 रनों पर ढेर हो गई। रॉकेट्स की टीम ने दो विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया। 92 रनों का टारगेट चेज करने उतरी रॉकेट्स की टीम को सोफी डंकली और बेथ मूनी ने जो शुरूआत दी उसने जीत पक्की कर दी थी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिए 69 रन जोड़े। डानी गिब्सन ने डंकली को आउट कर इस साझेदारी को तोड़ा। अर्धशतक की ओर बढ़ रही डंकली 23 गेंदों पर चार चौके और दो छक्कों की मदद से 41 रन बनाने में सफल रहीं। एनाबेल सदरलैंड ने नेट सिवर ब्रंट को आउट कर रॉकेट्स की टीम को दूसरा झटका दिया। वह चार रन ही बना सकीं। मूनी अंत तक नाबाद रहीं और टीम को जीत दिलाकर ही दम लिया। उन्होंने 21 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 31 रन बनाए। एश्ले गार्डनर उनके साथ नौ रन बनाकर नाबाद रहीं।

लीड्स की टीम ने इस मैच में पहले बल्लेबाजी की, लेकिन उसकी बल्लेबाज तेजी से रन नहीं बना सकीं और बड़ा स्कोर हासिल नहीं कर पाईं। टीम के लिए सबसे ज्यादा 25 रन सदरलैंड ने बनाए। इतने रन बनाने के लिए उन्होंने 23 गेंदों का सामना किया और दो चौकों के अलावा एक छक्का मारा। कप्तान गिब्सन 16 गेंदों पर 22 रन बनाने में सफल रहीं। इन दोनों के अलावा दीप्ति शर्मा (12), फोबी लिचफील्ड (10) ही दहाई के अंक में पहुंच सकीं।

ऋषभ पंत के कॉमन सेंस पर पूर्व दिग्गज ने उठाए सवाल, जमकर लगाई लताड़

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत एक बार फिर बड़ी पारी नहीं खेल सके। श्रीलंका के खिलाफ गॉल में खेले जा पहले टेस्ट मैच के दूसरे दिन वह अपने विकेट फेंककर चले गए।

उनके आउट होने के बाद भारत के पूर्व बल्लेबाज मोहम्म कैफ ने उनके कॉमन सेंस पर सवाल उठाए हैं। पंत 62 गेंदों पर 37 रन बनाकर आउट हो गए। नुवांथा केशरा की गेंद पर उन्होंने बड़ा शॉट खेलना चाहा और लॉन्ग ऑफ पर दिनुशा के हाथों लपके गए। पंत के पास मौका था कि वह एक बड़ी पारी खेल सकें, लेकिन वह फेल हो गए।

कैफ ने उठाए सवाल

कैफ ने कहा कि पंत जिस अंदाज में खेलते हैं उन्हें वैसे ही खेलना चाहिए, लेकिन कई बार

थोड़ा कॉमन सेंस भी लगाना चाहिए। उन्होंने कहा, जिस तरह से पंत आउट हुए हैं मुझे उससे शिकायत नहीं है। वह इसी तरह से खेलते हैं, लेकिन शिकायत कॉमन सेंस को लेकर है। ये नई गेंद से पहला ओवर था। वह तीन बार कूदकर आगे गेंद को मारने के लिए आए। कॉमन सेंस कहता है कि आप कट खेल सकते थे। पांच-छह ओवरों तक आराम से खेलते क्योंकि गेंद नई थी। ये टेस्ट मैच की परंपरा है। उनकी तरह जो खेलता है उसे भी कॉमन सेंस यूज करना चाहिए।

लॉजिक को छोड़ दिया पीछे

कैफ ने कहा कि पंत ने बैटिंग के लॉजिक को ही पीछे छोड़ दिया जो हैरान करने वाला है। उन्होंने कहा, मैं इस बात से हैरान था कि वह पहली ही गेंद पर आगे आकर मारने लगे।

बल्लेबाज को एक बार कैलकुलेट करना होता है। अगर बल्लेबाज 150 पर भी है तब भी जब गेंद नई होगी तो वह कुछ गेंदें आराम से खेलेगा। उन्होंने लॉजिक और क्रिकेट सेंस को पीछे छोड़ दिया।

सात पारियों का सूखा खत्म, जुरेल ने ठोका अर्धशतक; बोले- मुझ पर कोई दबाव नहीं था

नई दिल्ली। भारतीय विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने रविवार को कहा कि पिछली सात पारियों में अर्धशतक नहीं बना पाने के बावजूद उन पर किसी तरह का 'दबाव' नहीं था और इस कठिन दौर में उनका हौसला बढ़ाने के लिए उन्होंने मुख्य कोच गौतम गंभीर और कप्तान शुभमन गिल का आभार जताया। जुरेल ने पहले टेस्ट के दूसरे दिन 68 गेंद में 51 रन की महत्वपूर्ण पारी खेली जिसकी बदौलत भारत ने श्रीलंका के खिलाफ पहली पारी में स्टंप तक नौ विकेट पर 460 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया।

टिम सेइफर्ट की तूफानी पारी ने ट्रेंट रॉकेट्स को किया पस्त, एमएसजी ने पहली बार जीता खिताब

नई दिल्ली। टिम सेइफर्ट की तूफानी पारी के दम पर मैनचेस्टर सुपर जायंट्स (एमएसजी) ने द हंड्रेड मेंस का खिताब अपने नाम कर लिया है। ये पहली बार है जब सुपर जायंट्स ने ये ट्रॉफी उठाई है। उसने लॉर्ड्स में खेले गए फाइनल मुकाबले में ट्रेंट रॉकेट्स को पांच विकेट से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए रॉकेट्स ने आठ विकेट खोकर 158 रन बनाए। इस टारगेट को एमएसजी की टीम ने दो गेंद पहले पांच विकेट खोकर हासिल कर लिया।

टिम सेइफर्ट ने 38 गेंदों पर चार चौके और सात छक्कों की मदद से 72

रनों की पारी खेली। उन्होंने अकेले के दम पर टीम को खिताब दिलाया। इसी के चलते उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। सेइफर्ट ने इस पूरे टूनार्मेंट में अपनी तूफानी बल्लेबाजी से खिताबी जीत में अहम रोल निभाया। उन्होंने कुल 394 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज बने।

159 रनों के टारगेट का पीछा करने उतरी एमएसजी की टीम को सेइफर्ट ने पॉल वॉल्टर के साथ मिलकर तूफानी शुरूआत दी। 66 के कुल स्कोर पर टीम ने अपना पहला विकेट वॉल्टर के रूप में खोया। उन्होंने 14 गेंदों पर दो चौके और एक छक्के की मदद से 22 रन बनाए। कप्तान जोस बटलर ने 14 गेंदों पर 23 रनों की पारी खेली। वह 100 के कुल स्कोर पर टीम के दूसरे विकेट के रूप में पवेलियन लौटे। सेइफर्ट की पारी का अंत 136 के कुल स्कोर पर हुआ। हेनरिक क्लासेन का बल्ला उम्मीदों के उलट शांत रहा और वह सिर्फ 11 रन बनाकर मोहम्मद आमिर की गेंद पर डोनाल्ड को कैच दे बैठे। आमिर ने माइकल ब्रेसवेल को खाता तक नहीं खोलने दिया। दूसरे छोर पर लेयुल डू प्लोय थे। उन्होंने टीम को जीत की दहलीज पार कराई। वह 18 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 27 रन बनाकर नाबाद रहे। उनके साथ लियाम डॉसन भी छह रन बनाकर नाबाद लौटे।

सेइफर्ट से पहले एमएसजी के गेंदबाजों ने कमाल किया। उन्होंने रॉकेट्स के बल्लेबाजों को बड़ा स्कोर नहीं करने दिया।

कारोबार

शेयर बाजार में गिरावट: सेंसेक्स 285 अंक टूटा

निफ्टी 24,297 पर, कच्चे तेल और भू-राजनीतिक तनाव का असर

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी भू-राजनीतिक तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के बीच सेंसेक्स और निफ्टी में सोमवार को शुरूआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई।

बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार में 284.85 अंक टूटकर 77,717.05 अंक पर जबकि एनएसई निफ्टी 69.25 अंक की गिरावट के साथ 24,297.05 अंक पर रहा।

सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, हिंदुस्तान यूनिलीवर और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर में सबसे अधिक गिरावट रही। भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और टाइटन के शेयर में बढ़त दर्ज की गई। एशियाई बाजारों में जापान का निक्की 225, चीन का एसएसई कम्पोजिट और

हांगकांग का हैंग सेंग बढ़त में कारोबार कर रहे हैं। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट कच्चा तेल का वायदा भाव 0.43 प्रतिशत चढ़कर 88.86 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने शुक्रवार को शुद्ध रूप से 508.12 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। सेंसेक्स शुक्रवार को 70.71 अंक और निफ्टी 29.85 अंक की गिरावट के साथ बंद हुआ था।

रुपया शुरूआती कारोबार में 17 पैसे टूटकर 95.59 प्रति डॉलर पर

रुपया सोमवार को शुरूआती कारोबार में 17 पैसे की गिरावट के साथ 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 95.50 प्रति डॉलर पर खुला और बाद में 95.59 प्रति डॉलर पर आ गया जो पिछले बंद भाव से 17 पैसे की गिरावट है।

ब्याज दरों के उतार-चढ़ाव में कैसे संभालता है निवेश?

नई दिल्ली। डायनेमिक बॉन्ड फंड को ऐसे समझिए जैसे लंबी यात्रा में जीपीएस रास्ता बदलता है। जब ब्याज दरों का माहौल बदलता है, तो यह फंड भी अपने निवेश की अवधि और रणनीति बदल सकता है। इन फंड्स की कोई तय मैच्योरिटी अवधि नहीं होती।

फंड मैनेजर बाजार की स्थिति देखकर अलग-अलग अवधि वाले बॉन्ड में पैसा लगा सकता है। बॉन्ड बाजार का सामान्य नियम है कि ब्याज दरें बढ़ने पर पुराने बॉन्ड की कीमतें घटती हैं और ब्याज दरें गिरने पर पुराने बॉन्ड की कीमतें बढ़ती हैं। इसी बदलाव से फंड मैनेजर कमाई का अवसर तलाशता है।

ब्याज दर घटने या बढ़ने पर फंड क्या करता है?

अगर फंड मैनेजर को लगता है कि ब्याज दरें आगे घट सकती हैं, तो वह लंबी अवधि वाले बॉन्ड में निवेश बढ़ा सकता है। ब्याज दर घटने पर ऐसे बॉन्ड की कीमत बढ़ने का फायदा मिल सकता है। इसके उलट अगर महंगाई या वैश्विक दबाव के कारण ब्याज दरें बढ़ने का खतरा हो, तो पोर्टफोलियो को छोटी अवधि के साधनों या ट्रेजरी बिलों की ओर ले जाया जा सकता है। इस तरह निवेशक को खुद यह तय नहीं करना पड़ता कि मौजूदा माहौल में शॉर्ट-टर्म बॉन्ड बेहतर हैं या लॉन्ग-टर्म। यह फैसला फंड मैनेजर करता है।

डायनेमिक बॉन्ड फंड की सबसे बड़ी ताकत क्या है?

इस फंड की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह ब्याज दरों के अलग-अलग दौर में अपनी रणनीति बदल सकता है। पारंपरिक फिक्स्ड-ड्यूरेशन फंड की तुलना में इसमें फंड मैनेजर को अधिक लचीलापन मिलता है। फंड आमतौर पर सरकारी सिक्योरिटीज, अच्छी क्रेडिट रेटिंग वाले कॉरपोरेट बॉन्ड और मनी मार्केट इंस्ट्रूमेंट्स के बीच संतुलन बनाकर निवेश करता है। फंड मैनेजर भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति, महंगाई के आंकड़ों और बैंकिंग सिस्टम में नकदी की स्थिति पर नजर रखता है। इसी जानकारी के आधार पर पोर्टफोलियो में बदलाव किए जाते हैं।

'कुछ तो गड़बड़ है...', सुनील गावस्कर का बयान हुआ वायरल

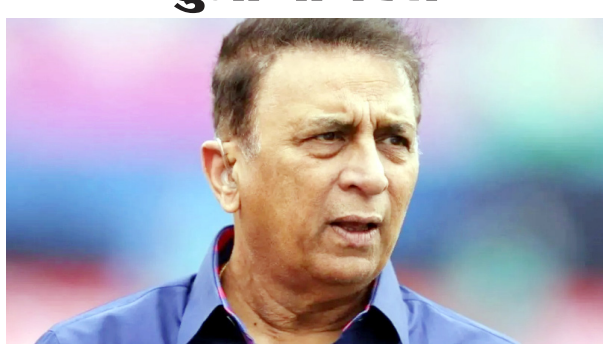

भारतीय क्रिकेट टीम इस वक्त श्रीलंका दौरे पर है. जहां, दोनों टीमों के बीच खेली जाने वाली 2 मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला गॉल इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला जा रहा है. इधर टीम इंडिया एक्शन में है, तो दूसरी ओर पूर्व भारतीय दिग्गज सुनील गावस्कर ने भारतीय खिलाड़ियों के बार-बार इंजर्ड होने पर बात की है. उनका कहना है कि आखिर भारतीय खिलाड़ी बार-बार हैमस्ट्रिंग की समस्या से परेशान कैसे हो रहे हैं. उन्होंने इसकी वजह के बारे में भी बात की. भारतीय क्रिकेटर्स की फिटनेस पिछले कुछ वक्त से वाकई चिंता का विषय बन गई है. हार्दिक पांड्या, जसप्रीत बुमराह सहित कई खिलाड़ी फिटनेस संबंधी समस्याओं से जूझ रहे हैं. हाल ही में केएल राहुल को गाले टेस्ट मैच के दौरान हैमस्ट्रिंग में खिंचाक महसूस हुआ था और उन्होंने दर्द में कराहते हुए मैदान भी छोड़ दिया था. हालांकि, वह अगले दिन फिट होकर वापस लौटे थे. अब पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुनील गावस्कर ने भारतीय खिलाड़ियों के बार-बार चोटिल होने पर बयान दिया है. उनका कहना है कि कोचिंग में कोई जिम्मेदारी है.

ई-20 पर घमासान के बीच ई-10 की वापसी की पैरवी

पुराने वाहनों को राहत देने की सलाह

नई दिल्ली। ई-20 पेट्रोल को लेकर देशभर में जारी बहस के बीच अब पुराने वाहनों के लिए ई-10 पेट्रोल उपलब्ध कराने की मांग को सरकार के भीतर से भी समर्थन मिला है।

भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने ई-20 से आगे ई-27 या ई-30 की ओर बढ़ने से पहले ह्यफूड बनाम फ्यूलह्ल के असर का आकलन करने की जरूरत बताई है। उनका कहना है कि इथेनॉल उत्पादन बढ़ाने के लिए मक्का जैसी फसलों का इस्तेमाल बढ़ने से खेती, पानी और खाद्य सुरक्षा पर पड़ने वाले असर को भी ध्यान में रखना होगा।

नागेश्वरन ने ई-20 को लेकर फैली आशंकाओं पर भी स्थिति स्पष्ट की है। उनके मुताबिक इथेनॉल में पेट्रोल की

तुलना में कम ऊर्जा होती है, इसलिए ई-20 से वाहन का माइलेज कुछ कम हो सकता है। हालांकि, यह कमी करीब 6-7 फीसदी तक हो सकती है, न कि सोशल मीडिया पर बताए जा रहे 30 फीसदी तक। उन्होंने कहा कि ई-20 के इस्तेमाल से हर वाहन का इंजन खराब होने का दावा उपलब्ध परीक्षणों से साबित नहीं होता।

सबसे बड़ी चिंता बीएस4 से पहले के पुराने दोपहिया वाहनों को लेकर है। देश में ऐसे करीब 7.5 से 8 करोड़ वाहन बताए जाते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में काब्युरेटर लगे हैं। पुराने काब्युरेटर इथेनॉल मिश्रित ईंधन के हिसाब से ईंधन की मात्रा को स्वत: समायोजित नहीं कर पाते। इससे इंजन के ज्यादा गर्म होने की आशंका हो सकती है। पुराने वाहनों की रबर सील भी लंबे समय तक इथेनॉल के संपर्क में आने से प्रभावित हो सकती हैं। हालांकि, ई-20 के असर को लेकर किए गए विभिन्न परीक्षणों में व्यापक स्तर पर इंजन या कंपोनेंट खराब होने की बात सामने नहीं आई है। कुछ परीक्षणों में प्रदूषणकारी उत्सर्जन में कमी भी दर्ज की गई है।

पुराने वाहनों के लिए ई-10 का विकल्प

नागेश्वरन के अनुसार, पुराने वाहनों के लिए ई-10 पेट्रोल फिर से उपलब्ध कराया जाना व्यावहारिक समाधान हो सकता है। ई-10 में 90 फीसदी पेट्रोल और 10 फीसदी इथेनॉल होता है। इससे पुराने वाहन मालिकों को कम ब्लेंड वाले ईंधन का विकल्प मिलेगा, जबकि नए और ई-20 के अनुकूल वाहनों में ई-20 का इस्तेमाल जारी रखा जा सकता है। उनका सुझाव है कि ई-10 की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कुल इथेनॉल खपत बढ़ाना जरूरी नहीं होगा। साथ ही, ई-20 से आगे बढ़ने से पहले सरकार को खाद्य उत्पादन, पानी की उपलब्धता और किसानों पर पड़ने वाले प्रभाव का व्यापक आकलन करना चाहिए।

इन कंपनियों में होती है हर महीने हायरिंग, ऐसे करें अप्लाई

बहुत बार लोगों को जब नौकरी की जरूरत होती है, तब उनके पास जॉब स्वीच करने के बहुत कम ऑप्शन होते हैं। इस आर्टिकल में जानें कुछ ऐसी कंपनियों के बारे में जहां आप कभी भी जॉब के लिए अप्लाई कर सकते हैं।

नयी नौकरी ढूंढते वक्त बहुत से लोगों को सही ऑप्शन ना मिलने की समस्या का सामना करना पड़ता है। कंपनियों में निश्चित समय के लिए हायरिंग होती है, जिसके बाद बहुत से उम्मीदवार सही विकल्प की तलाश करने में परेशानी का सामना करते हैं। हालांकि, क्या आपको यह पता है कि कुछ कंपनियों में सालभर जॉब की वेकेंसी निकलती है? आइए जानते हैं इन कंपनियों के बारे में।

मंटीनेशनल कंपनियों में करें अप्लाई

भारत में ढेर सारी ऐसा मंटीनेशनल कंपनी हैं, जहां हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग हो रही होती है। आपको नौकरी ढूंढने के लिए सबसे पहले मंटीनेशनल कंपनियों की लिस्ट तैयार करनी है। अब इन सभी कंपनियों के जॉब अप्लाई सेक्शन में जाएं और आवेदन दें। किसी भी एमएनसी में काम करने के लिए अंग्रेजी पर अच्छी पकड़ होनी चाहिए। दरअसल ज्यादातर एमएनसी में इंटरव्यू से पहले एक लैंग्वेज टेस्ट लिया जाता है, जिसे क्लियर करना जरूरी होता है।

टाटा ग्रुप में करें अप्लाई

टाटा ग्रुप आज भारत का जाना-माना समूह है। टाटा ग्रुप के हाइरिंग पोर्टल पर भी आपको हर वक्त किसी ना किसी पद के लिए हाइरिंग होते हुए मिलगी। हालांकि, जॉब की लोकेशन भारत के अलग-अलग हिस्सों के लिए हो सकती है। टाटा ग्रुप में आवेदन देने के लिए आपको टाटा ग्रुप की वेबसाइट के करियर पेज पर अप्लाई करना है।

बड़ी कंपनियों को करें टारगेट

सेमसंग, हिटाची आदि जैसी फेमस कपंनियों में भी पूरे साल हाइरिंग चल रही होती है। पद से जुड़ी सारी जानकारी आपको पार्टल के करियर के सेक्शन में मिल जाएगी। करियर सेक्शन में जाकर आप इन पदों के लिए अपना रिज्यूमे और कवर लेटर भेज सकते हैं।

पेटीएम

अगर आप पेटीएम के जॉब सेक्शन में जाएंगे, तो हर वक्त 50 से ज्यादा पदों पर हाइरिंग की जानकारी प्राप्त होगी। आईटी से लेकर एचआर तक से जुड़े पदों पर आवेदन देने के लिए पेटीएम अच्छा ऑप्शन है।

अप्लाई करने के लिए 1 ट्रिक

बहुत बार हम अपना रिज्यूमे ठीक से नहीं बनाते और बिना कवर लेटर के ही जॉब के लिए अप्लाई कर देते हैं। कोशिश करें कि आप कवर लेटर के साथ ही आवेदन करें।

12वीं के बाद बिना नीट एग्जाम दिए बनाएं मेडिकल की इस ब्रांच में अपना करियर

12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं, बीएससी नर्सिंग बीएससी बायोटेक्नोलॉजी और वेटरनरी कोर्स किए जा सकते हैं।

वेटरनरी एक शाखा है, जो पशु-पक्षियों की बीमारियों की स्थिति और चोटों की रोकथाम, नियंत्रण और इलाज से संबंधित है। वेटरनरी कोर्स में पालतू और जंगली जानवरों की बीमारियों और उनके उपचार के बारे में बताया जाता है। पशु कल्याण के बढ़ते महत्व और पशु चिकित्सा सेवाओं की बढ़ती मांग के साथ, ये कोर्स एक आशाजनक और बेहतर करियर का मार्ग प्रदान करते हैं। इसके अलावा, पशु चिकित्सा कोर्स प्रैक्टिकल अनुभव देते हैं। आज के समय में पशु चिकित्सकों की कमी है। इस कोर्स के माध्यम से आप पशु अस्पतालों, चिड़ियाघरों, प्रयोगशालाओं में नौकरी या अपना खुद का व्यवसाय शुरू कर सकते हैं।

पशु चिकित्सक की पढ़ाई के लिए 12वीं का है महत्व

इसके लिए छात्रों को 12वीं पीसीबी (भौतिकी, रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान) के साथ पास करना होगा, ताकि वे पसंदीदा यूनिवर्सिटी और कोर्स में प्रवेश ले सकें। भारत में पशु चिकित्सक बनने के इच्छुक छात्रों को नीट-यूजी या एआईपीवीटी की परीक्षा पास करने की जरूरत होती है। 12वीं के बाद बिना नीट परीक्षा पास किए मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के लिए कई विकल्प उपलब्ध हैं

- बीएससी नर्सिंग
- बीएससी बायोटेक्नोलॉजी
- बैचलर ऑफ फिजियोथेरेपी
- बैचलर ऑफ फार्मेसी
- बीएससी मनोविज्ञान
- बीएससी बायोमेडिकल साइंस
- बीएससी क्लिनिकल रिसर्च
- बैचलर ऑफ ऑक्यूपेशनल थेरेपी
- बैचलर ऑफ नेचुरोपैथी एंड योगिक साइंस
- पशु चिकित्सा विज्ञान

कोर्स की विविधताएं

इस क्षेत्र में आपके लिए बैचलर ऑफ वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हसबेंडरी, बीएससी इन वेटरनरी पैथोलॉजी, बीएससी इन एनिमल जेनेटिक्स एंड ब्रीडिंग, बीएससी एनिमल न्यूट्रिशन, बीएससी इन वेटरनरी माइक्रोबायोलॉजी आदि कोर्स मौजूद हैं। आप वेटरनरी साइंस एंड एनिमल हेल्थ टेक्नोलॉजी, वेटरनरी फार्मेसी, एनिमल हसबेंडरी में डिप्लोमा और वेटरनरी मेडिसिन, वेटरनरी सर्जरी में पीजी डिप्लोमा कर सकते हैं। अगर आप शोध करने के इच्छुक हैं, तो पीएचडी इन वेटरनरी साइंस कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कोर्स के लिए जरूरी ज्ञान अध्ययन के पहले कुछ सालों के दौरान पशु चिकित्सक बनने के लिए जरूरी ज्ञान और सिद्धांतों से परिचित कराया जाएगा। अगले चरण में उन क्षेत्रों में विशेषज्ञता प्राप्त करने का अवसर प्राप्त होगा, जिनमें आप सबसे अधिक रुचि रखते हैं। अंत में, आप पशुओं का निरीक्षण और देखभाल करने वाले संगठनों से जुड़ सकते हैं।

रोजगार के अवसर

वेटरनरी कोर्स करने के बाद आप पशु सर्जन, चिड़ियाघर और वन्य जीव पशु चिकित्सा, पशु एनाटॉमिस्ट, वेटरनरी ऑफिसर, पशु रोग विशेषज्ञ, रिसर्चर, पशु चिरौप्रैक्टर, सरकारी और गैर-सरकारी एनिमल हॉस्पिटल से अपने करियर की शुरुआत कर सकते हैं।

इनके अलावा, पैरामेडिकल क्षेत्र में भी कई कोर्स उपलब्ध हैं, जिनमें एनईईटी की आवश्यकता नहीं होती। इनमें चिकित्सा प्रयोगशाला प्रौद्योगिकी, फिजियोथेरेपी और रेडियोलॉजी जैसे कोर्स शामिल हैं। नीट पास किए बिना मेडिकल क्षेत्र में करियर बनाने के कुछ और विकल्प ये हैं, फ्लेबोटोमिस्ट्स (रक्त का नमूना लेने वाले), मेडिकल लैब टेक्नोलॉजिस्ट, पोषण विशेषज्ञ (न्यूट्रीशनिस्ट), फिजिशियन असिस्टेंट। हालांकि, नीट पास किए बिना किए गए इन कोर्सेज में किसी को भी एमबीबीएस डॉक्टर नहीं कहा जाएगा।

वेटरनरी कोर्स करने के लिए इन संस्थाओं में ले सकते हैं दाखिला

- बनारस हिंदू यूनिवर्सिटी (बीएचयू)
- गोविंद बल्लभ पंत यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर एंड टेक्नोलॉजी, पंत नगर
- वेटरनरी कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट (वीसीआरआई), चेन्नई
- पशु चिकित्सा और पशु विज्ञान कॉलेज, राजस्थान
- इंडियन वेटरनरी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आईवीआरआई), बरेली

बिना एक्सपीरियंस के भी इन टिप्स की मदद से पा सकते हैं नौकरी

आज के समय में नौकरी पाने के लिए एक्सपीरियंस का होना बेहद जरूरी है। लेकिन अगर आपके पास एक्सपीरियंस नहीं है तो भी आप इन टिप्स की मदद से नौकरी पा सकते हैं।

जीवन में सफलता पाने की शुरुआत एक्सपीरियंस के साथ होती है। जब आप कहीं पर नौकरी करते हैं तो आपको काम का एक्सपीरियंस मिलता है। एक बार एक्सपीरियंस मिल जाने के बाद जॉब स्विच करना काफी आसान हो जाता है। लेकिन समस्या तब होती है, जब आपके पास काम का एक्सपीरियंस ना हो। अक्सर कंपनियां ऐसे लोगों को हायर करने से बचती हैं, जो फ्रेशर हों। दरअसल, फ्रेशर होने के कारण कंपनी सामने वाले व्यक्ति की काबिलियत का अंदाजा नहीं लगा पाते हैं। ऐसे में फ्रेशर के लिए एक अच्छी जॉब पाना काफी मुश्किल हो जाता है। हो सकता है कि आपने भी अभी-अभी अपनी पढ़ाई खत्म की हो और अब आप एक अच्छी जॉब की तलाश में हों। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही आसान टिप्स के बारे में बता रहे हैं, जिन्हें अपनाकर आप बिना एक्सपीरियंस के भी एक अच्छी नौकरी पा सकते हैं-

रिज्यूम को बनाए मजबूत

किसी भी कंपनी में जॉब इंटरव्यू के लिए पहले आपको अपना रिज्यूम देना होता है। इसलिए, सबसे पहला और जरूरी कदम है कि आप अपने रिज्यूम को थोड़ा मजबूत बनाने की कोशिश करें। भले ही आपके पास वर्क एक्सपीरियंस नहीं है, लेकिन फिर भी आप उस जॉब के लिए जरूरी स्किल्स को रिज्यूम में मेंशन करें। साथ ही, अगर आपने पढ़ाई के दौरान किसी तरह की वर्कशॉप आदि में भाग लिया है तो उसे भी जरूर लिखें। इस तरह छोटी-छोटी खूबियों को हाइलाइट करने से आपको नौकरी मिलने की चांस काफी अधिक बढ़ जाते हैं।

एंट्री-लेवल जॉब के लिए करें अप्लाई

चूंकि प्रोफेशनल लाइफ में अभी आपकी शुरुआत है तो ऐसे में आपके लिए एकदम से मनचाही जॉब मिलना काफी कठिन है। शुरुआत में आपको एक्सपीरियंस हासिल करने पर अधिक ध्यान देना चाहिए। ऐसे में सबसे अच्छा तरीका होता है कि आप एंट्री-लेवल पोस्ट के लिए अप्लाई करें। इस तरह की जॉब्स में कंपनियां पैसा काफी कम देती हैं, लेकिन वे एक फ्रेशर को काम करने का अवसर भी देती है। जब आप एंट्री-लेवल जॉब को हासिल कर लेते हैं तो फिर आपके लिए बेहतर नौकरी पाने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। आप ऑनलाइन वेबसाइट की मदद से एंट्री-लेवल जॉब ढूंढ सकते हैं और अप्लाई कर सकते हैं।

सीखना ना छोड़ें

अमूमन यह देखने में आता है कि जब पढ़ाई पूरी हो जाती है, तो लोग नौकरी की तलाश में लग जाते हैं। लेकिन अगर आप एक बेहतर जॉब की तलाश में हैं तो सीखना कभी भी ना छोड़ें। आप जॉब ढूंढने के साथ-साथ सॉफ्ट स्किल्स पर भी काम करते रहें। आजकल ऑनलाइन व ऑफलाइन कई शॉर्ट टर्म कोर्स अवेलेबल हैं। आप अपने फील्ड को ध्यान में रखते हुए अन्य स्किल्स को शॉर्प करते रहें। इससे आपका रिज्यूम भी बेहतर बनता है और जॉब मिलना भी अधिक आसान होता है।

नेटवर्क व सोशल मीडिया का सहारा

नेटवर्किंग व सोशल मीडिया के जरिए भी आपको कई अच्छे अवसर मिल सकते हैं। आप कई सोशल मीडिया वेबसाइट पर अपनी फील्ड के लोगों से जुड़ सकते हैं। साथ ही साथ, अपने काम या स्किल्स को सोशल मीडिया पर पोस्ट अवश्य करें। इससे लोगों को आपकी काबिलियत का पता चलता है। इतना ही नहीं, आप अपने दोस्तों, परिवार, प्रोफेसरों और अन्य जानकारों की मदद से प्रोफेशनल कनेक्शन मजबूत करें। अक्सर कनेक्शन व नेटवर्किंग की मदद से प्रोफेशनल लाइफ में अपने पैर जमाना काफी आसान हो जाता है।

आईआईटी की ऐसे करें तैयारी जरूर मिलेगी सफलता

हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है।

आज के समय में केवल इंजीनियरिंग और डॉक्टरी ही कॅरियर के केंद्र बिंदु नहीं हैं, बल्कि दूसरे तमाम कॅरियर ऑप्शंस बच्चों के सामने मौजूद हैं। पर इस बात से शायद ही कोई इनकार करेगा कि बावजूद दूसरे ऑप्शंस की उपलब्धता के आज भी इंजीनियरिंग एक शानदार और चमकता कॅरियर माना जाता है। उसमें भी बात जब आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश की हो, तब हर किसी इंजीनियरिंग की चाहत रखने वाले व्यक्ति की सजगता और तत्परता बढ़ ही जाती है। पर मुश्किल यह है कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए बेहद कठिन परीक्षा से आपको गुजरना होता है। 12वीं की सफल परीक्षा के बाद तैयारी के लिए आपको अपना सब कुछ झोंक देना पड़ता है। आइए जानते हैं कि आईआईटी में प्रवेश पाने के लिए आपको किस ढंग से तैयारी करनी चाहिए।

आठवीं के तुरंत बाद सजगता आवश्यक

जी हां! भारत भर की सबसे कठिन परीक्षाओं में से एक मानी जाती है आईआईटी की परीक्षा। ऐसे में अगर आप यह सोचते हैं कि तुरंत ही तैयारी करके आप आईआईटी जैसे संस्थानों में प्रवेश पा लेंगे तो यह दिवा-स्वप्न जैसा साबित हो सकता है, खासकर सामान्य बुद्धि के बच्चों के लिए! सच तो यह है कि ऐसे लोग ही इस परीक्षा में ज्यादा सफल होते हैं जो आठवीं के बाद तुरंत ही सजग हो जाते हैं। वह नहीं तो उनके माता-पिता अपने बच्चों को आईआईटी की गंभीरता से रूबरू करा ही देते हैं। ऐसे बच्चे न केवल अपना नियमित पठन-पाठन वह पूर्णता के साथ करते हैं, बल्कि आईआईटी तैयारी के लिए फाउंडेशन कोर्स उनके लिए मददगार साबित होता है।

सेल्फ स्टडी

आठवीं के बाद 9वीं, 10वीं, 11वीं और 12वीं का अगर आपने सजगता से अध्ययन कर लिया, गणित और विज्ञान जैसे विषयों के फंडामेंटल्स क्लियर कर लिए, तो आप यह समझ लें कि पहली बाधा आपने क्रॉस कर ली। इसके साथ अगर आपने फाउंडेशन कोर्स और आईआईटी के प्रश्न पत्रों के पैटर्न को माध्यम बनाकर तैयारी कर ली और उस तरह के प्रश्नों पर पकड़ बना ली तो आप इसकी सर्वाधिक महत्वपूर्ण परीक्षा को अवश्य ही क्रैक कर सकते हैं।

रूटीन बना कर पढ़ना

आईआईटी की प्रवेश परीक्षा पास करना किसी महायुद्ध से कम मत मानिये। इसके लिए आपको एक एक क्षण का महत्त्व समझना पड़ता है। अगर आप नियमित रूटीन फॉलो नहीं करते हैं, और खुद को सख्त अनुशासन में नहीं रखते हैं तो आप यह जान लें कि आप लाखों नौजवानों से पीछे रह जाने वाले हैं।

रिवीजन का महत्व

आपने आईआईटी की तैयारी कर ली है तो आप रिवीजन के महत्व को कम मत आंकिये। आप लगातार अपने पढ़े हुए विषयों का रिवीजन करते रहेंगे तो इससे आप परीक्षा के समय भूल नहीं पाएंगे। इसके साथ ही अगर आपने अच्छे से रिवीजन किया है तो परीक्षा के दौरान आपको घबराहट महसूस नहीं होगी और प्रत्येक विषय पर आप की पकड़ मजबूत बनती जाएगी। ऐसे में निश्चित रूप से आपका आत्मविश्वास आसमान छू सकता है। कैरियर काउंसलर रिविजन के महत्त्व पर काफी जोर देते हैं।

समयबद्ध, मॉक टेस्ट के अनुसार करें तैयारी

ध्यान रहे अब चाहे जितना भी सिलेबस की तैयारी कर लें, लेकिन अगर बीच-बीच में अपनी तैयारियों की जांच आप नहीं करते हैं तो संभवतः परीक्षा के समय पर आप उलझन में पड़ सकते हैं। इससे बचने के लिए आपको मॉक टेस्ट का तरीका अपनाना होगा। इसके लिए आप आईआईटी के पिछले साल के प्रश्न पत्रों का अभ्यास तय समय सीमा में करने का प्रयत्न करें। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अगर आप बार-बार इस प्रयास को करते हैं तो आप की पकड़ ना केवल प्रश्नों पर बनेगी बल्कि आप समय का भी प्रबंधन अच्छे से कर पाएंगे और तय समय सीमा में अपने प्रश्न पत्र को साल्व कर पाएंगे।

स्वामी, प्रकाशक : अली आदिल खान द्वारा साईं प्रिंटिंग प्रेस डी 85 सेक्टर 8, नोएडा, गौतमबुद्ध नगर 201301 से मुद्रित और एच 41 ए, अबुल फजल एनक्लेव, जामिया नगर, दक्षिण पूर्व दिल्ली 110025 से प्रकाशित। संपादक : अली आदिल खान
RNI No.: DELMUL/2012/47011 | Email:timesofpedia@gmail.com | समाचार चयन एवं प्रकाशन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार तथा समस्त विवाद दिल्ली न्यायालय के अधीन होंगे।